WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

मारूआना को ड्रग्स बताने वालों पर भड़कीं ऋचा चड्ढा

वर्षः 01 अंक : 251 | लखनऊ, सोमवार, 31 अगस्त, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

कोरोना वायरस का कहर जारी

एक दिन में कोरोना के सर्वाधिक 78 हजार से अधिक मामले

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना महामारी का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है और पिछले 24 घंटों के दौरान पहली बार संक्रमण के 78 हजार से अधिक नये मामले सामने आये जिससे संक्रमितों की संख्या 35.42 लाख के पार पहुंच गयी हालांकि राहत की बात यह है कि स्वस्थ होने वालों की संख्या भी काफी तेजी से बढ़ी है जिससे सक्रिय मामले महज 21.60 प्रतिशत रह गये हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 78,761 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 35,42,734 हो गया। कोरोना संक्रमितों की संख्या में हुई यह वृद्धि विश्व के किसी भी देश में एकदिन में दर्ज किया गया

सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले अमेरिका में 25 जुलाई को 78427 मामले सामने आए थे जबकि भारत में सर्वाधिक दैनिक वृद्धि 27 अगस्त को दर्ज की गई थी जब एक दिन में 77266 मामले सामने आए थे। पिछले 24 घंटों के दौरान 64,935 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे कोरोना से मुक्ति पाने वालों की संख्या 27,13,934 हो गयी है। स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नये मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 12,878 बढ़कर 7,65,302 हो गये हैं। देश के केवल 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस दौरान मरीजों की संख्या कम हुई है तथा इस अवधि में 948 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 63,498 हो गयी। देश में सक्रिय मामले 21.60 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 76.61 प्रतिशत है जबकि मृतकों की दर 1.79 प्रतिशत है। कोरोना से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 4,417 बढ़कर 1,85,467 हो गयी तथा 328 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 24,103 हो गया। इस दौरान 11,541 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 5,54,711 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 1,490 बढ़ने से सक्रिय मामले 97,681 हो गये। राज्य में अब तक 3,796 लोगों की मौत हुई है, वहीं

> कोरोना संक्रमितों की संख्या में हुई यह वृद्धि विश्व के किसी भी देश में एकदिन में दर्ज किया गया सबसे बड़ा आंकड़ा है

कुल 3,12,687 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 99 की वृद्धि हुई है और यहां अब 86,465 सक्रिय मामले हैं।

लोकल खिलौनों के लिए भी बनें वोकल: मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्यमियों से खिलौनों के बाजार में दुनिया भर में भारत की पैठ बनाने का आह्वान करते हुए आज देशवासियों से भी कहा कि वे देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'वोकल फॉर लोकल' की मुहिम के तहत स्वदेशी खिलौनों को बढावा दें। प्रधानमंत्री ने आकाशवाणी पर अपने मासिक रेड़ियो कार्यक्रम मन की बात में कहा कि दुनिया में खिलौनों का सात लाख करोड़ रूपये से अधिक का बाजार है और इसमें हमारी हिस्सेदारी कम है। उन्होंने कहा इसमें अपनी हिस्सेदारी बढाने और देश को खिलौनों का केन्द्र बनाने के लिए सभी को आगे आना होगा।

विशेष रूप से नये उद्यमियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि खिलौनों के साथ हम दो चीजें कर सकते हैं। अपने गौरवशाली अतीत को अपने जीवन में फिर से उतार सकते हैं और अपने स्वर्णिम भविष्य को भी सँवार सकते हैं मैं अपने स्टार्ट अप मित्रों को, हमारे नए उद्यमियों से कहता हूँ टीम के तौर पर आइए मिलकर खिलौने बनाएं अब सभी के लिये लोकल खिलौनों के लिये वोकल होने का समय है आइए, हम अपने युवाओं के लिये कुछ नए प्रकार के, अच्छी क्वालिटी वाले, खिलौने बनाते हैं खिलौना वो हो जिसकी मौजूदगी में बचपन खिले भी, खिलखिलाए भी हम ऐसे खिलौने बनाएं, जो पर्यावरण के भी अनुकूल हों उन्होंने कहा देश में लोकल खिलौनों की बहुत समृद्ध परंपरा रही है कई प्रतिभाशाली और कुशल कारीगर हैं, जो अच्छे खिलौने बनाने में महारत रखते हैं कुछ क्षेत्र खिलौनों के केन्द्र के रूप में विकसित भी हो रहे हैं जैसे, कर्नाटक के रामनगरम में चन्नापटना, आन्ध्र प्रदेश के कृष्णा में कोंडापल्ली, तमिलनाडु में तंजौर, असम में धुबरी, उत्तर प्रदेश का वाराणसी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस राष्ट्र के पास इतनी विरासत हो, परम्परा हो, विविधता हो, युवा आबादी हो, क्या खिलौनों के बाजार में उसकी हिस्सेदारी कम होना अच्छा लगता है।

कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी ढेर, एएसआई शहीद

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू- कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में रविवार सुबह सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गये और पुलिस का एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) शहीद हो गया। पुलिस महानिरीक्षक दिलबाग सिंह ने बताया कि मोटरसाइकिल सवार आतंकवादियों ने पंथाचौक पर शनिवार रात पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक संयुक्त दल पर हमला किया। इलाके को तुरंत चारो ओर से घेर लिया गया और तलाश अभियान शुरू कर दिया गया। सुरक्षा बल के जवान जब लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़ रहे थे तभी वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने उन पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की जिसके साथ ही मुठभेड़ शुरू हो गयी। शुरुआत में एक आतंकवादी मारा गया और एएसआई बाबूराम गंभीर रूप से घायल हो गया। बाबू राम को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। श्री सिंह ने बताया कि आतंकवादियों को समर्पण का मौका दिया गया और उनके अभिभावकों को भी उनसे हथियार डालने को कहने के लिए मुठभेड़ स्थल पर लाया गया। इन अभिभावकों का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया , जिसमें वे आतंकवादियों को समर्पण करने के लिए गुहार लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने अपना एक बहादुर जवान खो दिया , लेकिन इसके बावजूद उन्हें समर्पण के लिए मौका दिया गया।

मुक्त व्यापार समझौतें परस्पर लाभप्रद हों:पीयूष

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि मुक्त व्यापार समझौते को पारस्परिक रूप से लाभप्रद होना चाहिए जिसमें सभी पक्षों को फायदा मिले। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने रविवार को यहां बताया कि 17वीं आसियान-भारत आर्थिक मंत्री परामर्श बैठक को संबोधित करते हुए श्री गोयल ने कहा कि भारत और आसियान घनिष्ठ मित्र रहे हैं तथा यह रिश्ता भारत और आसियान देशों के लोगों की समृद्धि के लिए और मज़बूत होता रहेगा। बैठक की सह - अध्यक्षता श्री पीयूष गोयल तथा वियतनाम के उद्योग और व्यापार मंत्री त्रान तुआन अन्ह ने 29 अगस्त को वर्चुअल रूप से की। बैठक में सभी 10 आसियान देशों - ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम के व्यापार मंत्रियों ने भाग लिया।

मन की बात में छात्र खिलोनों नहीं परीक्षा पर चाहते थे चर्चा: राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि इंजीनियरिंग और मेडिकल में प्रवेश के इच्छुक छात्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो पर प्रसारित मन की बात कार्यक्रम में इस बार खिलौनों पर नहीं बल्कि संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और योग्यता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को लेकर चर्चा चाहते थे लेकिन श्री मोदी ने उन्हें पूरी तरह से निराश किया है। श्री गांधी ने प्रधानमंत्री की मन की मन की बात कार्यक्रम के प्रसारण के बाद अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ट्वीट किया जेईई-नीट परीक्षा में बैठने वाले छात्र चाहते थे कि प्रधानमंत्री परीक्षा पे चर्चा करें लेकिन प्रधानमंत्री ने खिलौनों पर चर्चा की। मन की नहीं छात्रों की बात। गौरतलब है कांग्रेस जेईई और नीट परीक्षाएं कोरोना महामारी के बीच आयोजित करने के सरकार के फैसले का विरोध कर रही है । इस मुद्दे पर कांग्रेस शासित तथा उसके समर्थन वाले छह रायों ने उचतम न्यायालय में परीक्षा स्थगित करने को लेकर पुनर्विचार याचिका भी दायर की है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी इस मुद्दे पर इससे पहले गैर भाजपा शासित रायों के मुख्यमंत्रियों से विचार विमर्श किया था और सभी ने कोरोना महामारी के प्रकोप तथा इसकी वजह से जारी यातायात की असुविधा को देखते हुए यह परीक्षा नहीं कराने का सरकार से आग्रह किया था।

मोगा के डी.सी. दफ्तर पर खालिस्तानी झंडा लहराने वाले दो युवक दिल्ली में गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। आजादी दिवस से एक दिन पहले 14 अगस्त को मोगा के डी.सी. दफ्तर की छत पर खालिस्तानी झंडा लहराने वाले दो व्यक्तियों को दिल्ली की स्पैशल सैल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों की पहचान इन्द्रजीत सिंह और जसपाल सिंह के रूप में हुई है। इससे पहले मोगा पुलिस ने इस घटना की वीडियो बनाने वाले युवक अक्शदीप सिंह को भी गिरफ्तार किया था। बता दें कि आजादी दिवस से एक दिन पहले मोगा के डी.सी. दफ्तर और उसके बाद कोटकपूरा बाइपास के फ्लाइओवर पर भी खालिस्तानी झंडा लहराया गया था जिसके बाद मोगा चर्चा में बना हुआ था। जिला पुलिस खालिस्तानी झंडा लहराने वालों की तलाश कर रही थी जिसके बाद दिल्ली पुलिस को यह सफलता मिली है। मोगा पुलिस भी दोनों युवकों की तलाश में थी जिसे लेकर मोगा में काफी सख्ती की हुई थी।

प्रकृति का शोषण ऐसे ही चलता रहा तो सृष्टि ही नहीं रहेगी: भागवत

नागपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने प्रकृति के संरक्षण पर जोर देते हुए रविवार को कहा कि इसकी देखभाल होनी चाहिए और केवल उपभोग नहीं होना चाहिए जैसा कि आज के समय हो रहा है। हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा फाउंडेशन द्वारा 'प्रकृति दिन मनाने के अवसर पर डिजिटल तरीके से एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने प्रकृति को अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानने वाले हमारे पूर्वजों द्वारा अपनायी गयी जीवन-शैली पर जोर दिया। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि लोग मानते हैं कि प्रकृति उनके उपभोग के लिए है तथा उसके प्रति उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है। उन्होंने कहा, ''हम पिछले 200 से 250 साल से इस तरह रह रहे हैं और इसके बुरे प्रभाव और नतीजे अब हमारे सामने आ रहे हैं।

रिया से तीसरे दिन सवाल जारी

नयी दिल्ली, एजेंसी। सुशांत सिंह राजपूत केस में सीबीआई जांच के 10वें दिन एसआईटी ने रिया चक्रवर्ती से पूछताछ की। रिया से पूछताछ का लगातार तीसरा दिन है। रविवार को रिया से 8 से लेकर 14 जून के बीच हुई घटनाओं के बारे में सवाल किए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीबीआई ने रिया से पूछा है कि 8 जून के बाद उन्होंने किससे बात की। इस बीच गोवा के होटल कारोबारी गौरव आर्या को ईडी ने समन किया है। ईडी उससे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 31 अगस्त यानी कल पूछताछ करेगी। मुंबई रवाना होने से पहले गौरव आर्या ने कहा कि वह सुशांत से कभी नहीं मिला है। हां, 2017 में एक बार उसकी मुलाकात रिया चक्रवर्ती से हुई थी। गौरव की तलाश में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की टीम ने भी कई जगह छापेमारी की थी। माना जा रहा है कि जल्द ही नारकोटिक्स टीम भी उससे पूछताछ करेगी। रिया से ड्रग्स की बातचीत में गौरव का नाम सामने आया था। एनसीबी जल्द रिया का ब्लड सैंपल ले सकती है। एनसीबी ने रिया और उनके भाई शोविक समेत 5 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। शुक्रवार को 10 घंटे और शनिवार को करीब 7 घंटे तक उनसे सवाल-जवाब हुए। रिया के अलावा उनके भाई शोविक, सुशांत के हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा, फ्लैटमेट रहे सिद्धार्थ पिठानी, हाउसकीपर नीरज से भी सीबीआई सवाल-जवाब कर चुकी है। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, रिया से सुशांत के क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल को लेकर सवाल किए गए। दरअसल, एक्टर के रूम पार्टनर सिद्धार्थ पिठानी ने आरोप लगाया था कि वे सुशांत का क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करती थीं। हालांकि, रिया ने इन आरोपों को खारिज किया है। सीबीआई ने सिद्धार्थ पिठानी, सैम्युअल मिरांडा, नीरज सिंह के सामने भी रिया से सवाल किए।

दिल्ली में अगले 6 दिन तक तेज हवाओं के साथ बारिश के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में अगले 6 दिन तक हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने रविवार को अपने पूर्वानुमान में इसकी जानकारी दी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि व्यापक पैमाने पर बारिश का अनुमान नहीं है। रविवार को बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश हो सकती है साथ ही अगले छह दिन तक हल्की बारिश होने का अनुमान है। रविवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 डिग्री सेल्सियस और 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। दिल्ली में अगस्त में अब तक 236.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है जबकि इस अवधि तक सामान्य मात्रा 245.7 मिमी है और इस लिहाज से बारिश चार प्रतिशत कम हुई है।

वृद्धों को भी मिले सभी सुख-सुविधाएं

नयी दिल्ली, एजेंसी। उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने संयुक्त परिवार प्रणाली पर बल देते हुए कहा है कि वृद्धों को समाज में उपलब्ध सभी सुख और सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। श्री नायडू ने रविवार को सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट फेसबुक पर वृद्धावस्था पर लिखे एक लेख में कहा है कि हमारे शहर और वहां की सुविधाएं वृद्धों के लिए सुगम्य सुलभ होनी चाहिए। बुजुर्गों का अधिकार है कि सार्वजनिक स्थान और सुविधाएं उनके लिए बाधा रहित एवं सुगम हों। सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए अनेक योजनाएं और कार्यक्रम चलाए हैं, इनमें प्रधानमंत्री वय वन्दन योजना तथा वरिष्ठ नागरिक कल्याण निधि तथा असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों और खादी कामगारों की सामाजिक सुरक्षा के लिए योजनाएं शामिल हैं। उप राष्ट्रपति ने कहा कि इन सरकारी योजनाओं के बावजूद भी हम देखते हैं कि वरिष्ठ नागरिकों को विभिन्न सुविधाओं का लाभ लेने के लिए भी मुश्किलें झेलनी पड़ती हैं। कितनी ही बार देखने में आता है कि वरिष्ठ नागरिकों को बसों, रैलों, बैंकों या सरकारी दफ्तरों की लाइनों में घण्टों खड़ा रहना पड़ता है। उन्होंने कहा कि ये स्थति पांच हजार साल पुरानी हमारी उस सभ्यता के संस्कारों के विरुद्ध है जिसमें अंधे माता-पिता को कंधे पर उठा कर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार जैसे आदर्श पुत्र पर गर्व हो और जिसके पास पुरुषोत्तम श्री राम जैसी आदर्श प्रेरणा हो जिसने पिता का वचन रखने के लिए सहर्ष ही वनवास स्वीकार कर लिया हो। श्री नायडू ने सवाल किया कि क्या हम अपने आदर्श, अपने संस्कार भूल रहे हैं, अपनी नैतिकता खो रहे हैं? उन्होंने कहा कि बुजुर्ग दशकों के अनुभव और सदियों के ज्ञान का भण्डार हैं। उनके साथ इज्ज़त, स्नेह, सत्कार के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। अपने जीवन की संध्या में वे सम्मान और सेवा के अधिकारी हैं।

कांग्रेस में लीडरशिप का मुद्दा

ऐसा भी नहीं कि अभी पार्टी अध्यक्ष नहीं चुना तो आसमान टूट पड़ेगा: सलमान खुर्शीद

नयी दिल्ली, एजेंसी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि पार्टी में लीडरशिप के मुद्दे का फैसला सोनिया गांधी को ही करना चाहिए। खुर्शीद ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष चुनने की तुरंत ऐसी जरूरत नहीं दिखती कि ऐसा नहीं हुआ तो आसमान टूट पड़ेगा। सोनिया गांधी अभी संचालन कर रही हैं और लीडरशिप के मुद्दे पर फैसला सोनिया गांधी को ही करना चाहिए। पिछले हफ्ते हुई सीडब्ल्यूसी की बैठक में सोनिया गांधी को ही अंतरिम अध्यक्ष के पद पर बनाए रखने का फैसला किया गया था। हालांकि, सीडब्ल्यूसी ने कहा था कि 6 महीने के भीतर पार्टी के नए अध्यक्ष का चुनाव कर लिया जाएगा। खुर्शीद ने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा कि जिन लोगों ने सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखी थी कि पार्टी में ऊपर से नीचे तक बदलाव होना चाहिए, उन्होंने अगर मुझसे लेटर पर साइन करने के लिए संपर्क किया होता तो भी मैं ऐसा नहीं करता। जिन लोगों ने चिट्ठी लिखी वो सोनिया गांधी तक पहुंच रखते हैं और उन्हें चिट्ठी लिखने की बजाय सोनिया गांधी से मुलाकात करनी चाहिए थी। जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ नेता (गुलाम नबी आजाद) पार्टी के शीर्ष पदों पर सालों तक रहे हैं और उस वक्त भी जब ऐसे चुनाव नहीं हुए और तब भी पार्टी आगे बढ़ी है। पार्टी के 23 नेताओं ने सोनिया को चिट्ठी लिखकर पार्टी में बदलाव की मांग की थी, ये चिट्ठी सीडब्ल्यूसी की बैठक से ऐन पहले लिखी गई थी। इसके बाद गुलाम नबी आजाद ने गुरुवार को कहा था कि अगर कांग्रेस में प्रमुख पदों पर चुनाव नहीं किए गए तो कांग्रेस को 50 साल तक विपक्ष में बैठना पड़ेगा। खुर्शीद ने कहा कि मेरे जैसे लोगों की बात करें तो हमारे पास नेता हैं। हमारे पास सोनिया गांधी हैं, राहुल गांधी हैं। ऐसे में मुझे पार्टी लीडर चुने जाने की कोई तात्कालिक जरूरत नजर नहीं आती। एक अध्यक्ष का चुनाव, जब होना होगा, तब होगा। मुझे नहीं लगता कि आसमान टूट रहा है।

मप्र के बाढ़ प्रभावितों के लिए बेहतर प्रबंध हो: कमल नाथ

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमल नाथ ने राज्य में बने बाढ़ के हालात पर चिंता जताई है। साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से प्रभावितों के लिए बेहतर प्रबंध किए जाने का आग्रह किया है। पूर्व मुख्यमंत्री का कहना है कि प्रदेश में अतिवर्षा का दौर जारी है। 12 से अधिक जिले व 400 से अधिक गाँव बाढ़ की चपेट में है। नदियाँ उफ़ान पर हैं। बाढ़ ने प्रदेश के कई हिस्सों को प्रभावित किया है। लोगों का भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने आगे बताया, मैंने प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह से इस पर चर्चा कर चिंता व्यक्त की है। प्रभावित लोगों के रहने, खाने-पीने की समुचित व्यवस्था की जाए। पूरा प्रदेश, हम सभी, संकट की इस घड़ी में प्रभावित लोगों के साथ खड़े हैं।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में कोविड-19, सड़कों के निर्माण, स्वच्छता एवं सेनेटाइजेशन के सम्बन्ध में की बैठक

कोविड-19 की टेस्टिंग बढ़ाई जाए: मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज जनपद गोरखपुर में कोविड-19 के संक्रमण से बचाव, सड़कों के निर्माण, स्वच्छता एवं सेनेटाइजेशन के सम्बन्ध में बैठक करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोविड-19 की टेस्टिंग बढ़ाई जाए, बेडों की संख्या में वृद्धि की जाए। कोरोना से बचाव की दिशा में प्रभावी कार्यवाही करने के साथ ही इस सम्बन्ध में जन जागरूकता लायी जाए। मुख्यमंत्री ने बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज के बाल रोग चिकित्सा संस्थान में कोविड अस्पताल शीघ्र संचालित करने हेतु सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुरानी सुपरस्पेशियलिटी भवन में ऑक्सीजन प्लान्ट एक्टिवेट कराकर 50 और बेडों की सुविधा शीघ्र प्रारम्भ की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए

कि इन्टीग्रेटेड कन्ट्रोल रूम से होम आइसोलेशन में रह रहे कोविड संक्रमित मरीजों की नियमित रूप से निगरानी की जाए और प्रतिदिन दो बार मरीज को फोन कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी व्यक्ति में गम्भीर लक्षण दिखाई दे, तो उसे तत्काल कोविड अस्पताल में शिफ्ट किया जाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी प्राइवेट चिकित्सालय में इलाज के लिए शासन द्वारा निर्धारित दर से अधिक शुल्क न लिया जाए, यदि इसका उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। होम आइसोलेशन में 5 श्रेणी के लोग जैसे गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे तथा अन्य बीमारियों से ग्रसित मरीज को रहने की अनुमति न दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि डोर-टू-डोर सर्वे कराकर अधिक से अधिक लोगों को चिन्हित करते हुए प्रतिदिन कम से कम 4,000 कोरोना टेस्टिंग की जाए तथा जिन क्षेत्रों में ज्यादा कोरोना मरीजों की संख्या मिल रही वहां घर-घर जांच करायी जाए और अधिक से अधिक कॉन्टेक्ट टेर्सिंग भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बाजार निर्धारित समयानुसार खुले एवं बन्द हो, आम जन में दो गज की दूरी, मास्क लगाने आदि का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीमारियों को नियंत्रित करने तथा जनपद को बेहतर बनाने के दृष्टिगत स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि गंदगी ही बीमारियों की जननी है। जिलाधिकारी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी सुबह-शाम कोविड-19 के सम्बन्ध में बैठक अवश्य करें और न्याय पंचायतवार एस0डी0एम0,सी0ओ0 क्षेत्रीय भ्रमण करें। मुख्यमंत्री ने ढ़ीले एवं जर्जर तार को ठीक करने, बांस बल्ली के सहारे लगे विद्युत केबिल को हटाने हेतु

> कोरोना से बचाव की दिशा में प्रभावी कार्यवाही करने के साथ ही इस सम्बन्ध में जन जागरूकता लायी जाए

कार्ययोजना तैयार कर शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए कहा कि शहरी,ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत संबंधी समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत बेहतर ढंग से कराया जाए।

प्रकृति वंदनः पेड़ों के पूजन के साथ साथ संरक्षण का लिया संकल्प

पर्यावरण संरक्षण से बनेगा जीवन खुशहालः स्मिता सिंह

फतेहपुर । प्रकृति धारा का आधार है वृक्ष जीवन जीने का मूल है। सदियों से चली आ रही ऐसी परंपरा के बाबत आज पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के आवाहन पर नारी स्मिता फाउंडेशन द्वारा जनपद के एक सैकड़ा के करीब स्थानों पर वृक्षों के पूजन के उपरांत रक्षा सूत्र बांधकर प्रकृति वंदन कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। विभाग संयोजिका स्मिता सिंह ने बताया कि हिंदू आध्यात्मिक और सेवा फाउंडेशन (एचएसएसएफ) एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के निर्देशन में पार्क एवं घरों में वृक्ष या गमले के पौधे की अपने परिवार के साथ बैठकर पूजा अर्चना की। इसके उपरांत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहनराव जी भागवत द्वारा ऑनलाइन संबोधन को चुना गया। इसके पूर्व में जनपद से हजारों की संख्या में लोगों ने पंजीकरण भी कराया था जिन्हें बचाने के संकल्प एवं पूजन के साथ किया गया। इसके अलावा खागा, बिंदकी, हमीरपुर समेत अन्य स्थानों के अलावा हरितगृह प्रहरी के घरों में पूजन किया गया। जागरूक करते हुए कहा कि पेड़ों में भी जीवन होता है वह भी मनुष्य के समान क्रियाएं करते हैं साथ ही इस धारा में संतुलन बनाए रखने का भी काम करते हैं। हमें वृक्षों की सुरक्षा एवं नए वृक्षों को लगाकर प्रकृति का संतुलन बनाए रखना है। इस अवसर पर उमा गुप्ता, साधना चौरसिया, रीता सिंह तोमर, श्रेय ऑनलाइन सर्टिफिकेट भी दिए गए। केंद्रीय कार्यक्रम शहर के आवास विकास स्थित पार्क में लगे पौधों को शुक्ला, देव नारायण मिश्रा, धनंजय पांडे, सूर्यपाल दीक्षित, सुनीता दीक्षित आदि मौजूद रहे।

भाजपा नेत्री ने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधों का किया पूजन

फतेहपुर । भाजपा महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष सुनिधि तिवारी के नेतृत्व में प्रकृति वंदन कार्यक्रम मसवानी में किया गया। जहां पौधों की वंदना करके पर्यावरण पर निवास करने वाले जीवधारियों के उत्तम स्वास्थ्य व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।इस अवसर पर ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण करने पर भी बल दिया गया।वही सुनिधि तिवारी ने लोगों का आवाहन किया कि वो पेड़ लगाए और उन्हें सुरक्षित रखे।इस अवसर पर सूर्या पाठक, रवि दिवाकर, सत्यम दिवाकर, कंचन, सीखा, ऐश्वर्या, शिवा कली आदि लोग उपस्थित रहे।

घायल बच्चो का हाल जानने जिला अस्पताल पहुचे कॉग्रेसी

फतेहपुर । जिला अस्पताल में भर्ती घायल बच्चों का हाल जानने जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष शिवाकांत तिवारी के नेतृत्व में कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल पहुंचा मालूम हो की यह बच्चे बिंदकी कोतवाली के रतुवाखेड़ा गांव के रहने वाले हैं।

जहां कच्ची छत ढहने से 09 बच्चे दब गए थे, जिसमें तीन की दर्दनाक मौत हो गई थी वही घायल बच्चों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष शिवाकांत तिवारी अपने साथियों के साथ पहुंचकर इन बच्चों के परिजनों को आर्थिक मदद किया और हर संभव मदद दिलाये जाने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर शिवाकांत तिवारी ने कहा कि अगर इन बच्चों के परिवार वालों को एक पक्की छत नसीब हो जाती तो शायद आज इतना बड़ा हादसा घटित न होता। इन लोगों ने शासन प्रशासन से ऐसे गरीब लोगों को कॉलोनी दिलाए जाने की भी मांग किया। इस अवसर पर कांग्रेस के जिला सचिव उदित अवस्थी, अशोक दुबे सहित अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे।

बीस दिन बाद बदला गया खराब ट्रांसफार्मर

ग्रामीणों के चेहरों पर आई खुशी

थरियांव, फतेहपुर । थाना क्षेत्र के दलपतपुर गांव में पिछले दिनों ट्रांसफार्मर खराब हो जाने से गांव में बिजली नहीं पहुंच रही थी जिससे ग्रामीण परेशान हो रहे थे। खराब ट्रांसफार्मर की शिकायत कई बार विभाग से ग्रामीणों ने की थी। विभागीय उदासीनता के कारण ट्रांसफार्मर लगने में काफी समय लग रहा था जिसको लेकर ग्रामीणों ने संवाददाता से बताया जिसके बाद खबर को प्रकाशित किया गया। खबर प्रकाशित होने के बाद कुछ ही दिनों में गांव में खराब ट्रांसफार्मर को बदल कर नया ट्रांसफार्मर लगा दिया गया जिससे ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी दिखती नजर आ रही है। गांव के युवा डॉ0 सददाम ने बताया कि गांव का ट्रांसफार्मर लगभग 20 दिन से खराब था जिसको शनिवार शाम विभाग द्वारा बदल दिया गया।गांव में नया ट्रांसफार्मर आते देख गांव के लोग नया ट्रांसफार्मर देखने को दौड़ पड़े और खुश हो गए। उन्होंने बताया कि बिजली न आने से ग्रामीणों के सारे दैनिक काम बड़ी परेशानी से हो रहे थे, लेकिन नया ट्रांसफार्मर लग जाने से विद्युत आपूर्ति सुचारू हो जाएगी जिससे ग्रामीणों के दैनिक कार्य पहले जैसे होने लगेंगे।

नियमो को ताक मे रखकर फर्राटा भरते साहब

फतेहपुर । खबर के साथ प्रकाशित फोटो जिले के बिन्दकी तहसील के पास की है। बाइक मे सवार कोतवाली पुलिस द्वारा खुलेआम नियमो का उल्लंघन उक्त फोटो में देख सकते है। एक बाइक पर तीन सवार, न हेलमेंट और न ही न मास्क लगता है इन लोगो पर नियम नही लागू होता।

चोरो ने एक और विद्यालय को बनाया निशाना

फतेहपुर । मलवा विकास खंड के पूर्व माध्यमिक विद्यालय कोरसम मे बीती रात अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई। जिसमें छःबिजली के पंखे एक, सोलर पंखा, एक सिलेंडर, दो माइक एक साउंड सिस्टम चोर उठा ले गये। इसकी भनक किसी को नही लगी। जानकारी पर अध्यापिका रचना भदौरिया ने पुलिस को सूचना दी है।

ब्याज में छूट पाने के लिए जमा करें किस्त

फतेहपुर । विद्युत उपकेंद्र बिन्दकी के एसडीओ प्रशांत शुक्ल ने बताया यदि नलकूप या घरेलू बिजली संयोजन मे ब्याज मे छूट पाने के लिये पंजीकरण कराया था तो अपनी किश्त 31 अगस्त नही जमा करते है तो आपका पंजीकरण निरस्त हो सकता है।उन्होने बताया 31 अगस्त तक किस्त जरुर जमा करे।

प्रकृति वंदनःजीवन में सबसे अनमोल है पर्यावरण संरक्षण

फतेहपुर । मानव मंगल संस्थान की अध्यक्ष संगीता द्विवेदी द्वारा आज प्रकृति वंदन कार्यक्रम में पेड़ पूजन के साथ-साथ हम यह संकल्प लिया कि हमें एक पेड़ को अवश्य बचाना है, उसकी रक्षा करना है कहा गया की एक पेड़ सैकड़ों लोगों को जीवन देता है और वातावरण को शुद्ध करता है पेड़ों से हम सब को सीख लेनी चाहिए इनका जीवन ही दूसरों के लिए बना है यह हमें फल देते हैं, शुद्ध हवा देते हैं, छाया देते हैं, दवा के रूप में भी काम में आते हैं, तो क्या हम उनकी रक्षा भी नहीं कर सकते है इसलिए सबको संकल्प लेना चाहिए कि इनकी रक्षा ही हमारी पहली प्राथमिकता है कार्यक्रम में अध्यक्ष संगीता द्विवेदी, माया, सोनू, हर्षित आदि मौजूद रहे।

हनुमान मंदिर पटेल नगर कमेटी की बैठक आहूत

दिवंगत पुजारी को दी श्रद्धांजलि

फतेहपुर । सिद्ध श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर पटेल नगर चौराहा फतेहपुर की एक बैठक मंदिर परिसर में श्री बी पी तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में ट्रस्ट कमेटी के सदस्यों तथा अन्य श्रद्धालु भक्तों ने भी सहभागिता निभाई। बैठक में सर्वप्रथम मंदिर के पूर्व पुजारी स्वर्गीय प्रकाश चंद्र अवस्थी के आकस्मिक निधन पर शोक संवेदना दुख प्रकट किया गया। तथा पिछले दिनों पारित प्रस्ताव को अनुमोदित करते हुए मंदिर में पूजा पाठ हेतु आचार्य प्रदीप तिवारी को कार्यवाहक पुजारी नियुक्त किया गया। मंदिर के उत्थान व विकास हेतु 05 सदस्यीय उप समिति ट्रस्ट कमेटी द्वारा गठित की गई। इसमें बीपी तिवारी, मूलचंद दुबे, शरद तिवारी एडवोकेट, रविंद्र दुबेदी, राकेश मौर्या आदि मौजूद रहे बैठक का संचालन मुख्य ट्रस्टी मनोज त्रिवेदी ने करते हुए कहा कि पिछले काफी दिनों से मंदिर के उत्थान विकास हेतु हमारा ट्रस्ट अग्रसर है। ट्रस्ट द्वारा और भी आगे उपयोगी कार्य कराए जाएंगे। बैठक में प्रमुख रूप से राम गोपाल शुक्ला, त्रिभुवन सिंह, कोटेश्वर शुक्ला, बलराम सिंह ठेकेदार, करण सिंह पटेल, शशिकांत मिश्रा, गोरेलाल दीक्षित, सूबेदार आर के तिवारी, शरद तिवारी एडवोकेट, रिशु तिवारी अनिल शुक्ला, स्वामी गया प्रसाद आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

मदर सुहाग स्कूल ने माफ़ की 05 तक के बच्चो की फीस

फतेहपुर । मदर सुहाग पब्लिक स्कूल के प्रबंधक श्याम लाल सिंह ने जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि कोरोना संक्रमण महामारी को दृष्टिगत रखते हुए नर्सरी से कक्षा 5 तक के सभी बच्चों का संपूर्ण मासिक शुल्क माफ किया गया है साथ ही यह भी प्रस्ताव रखा गया है कि पुराने और नए छात्र-छात्राओं को भी कोई एडमिशन चार्ज एवं मासिक शुल्क नहीं लिया जाएगा विद्यालय में छात्रों के रजिस्ट्रेशन हेतु केवल रजिस्ट्रेशन शुल्क भुगतान करना होगा उन्होंने कहा कोरोना संक्रमण काल में तमाम अभिभावक लगातार परेशानी झेल रहे हैं जिसके चलते उनके परिवार के भरण-पोषण में फीस कोई बाधा न बने इस बाबत मदर सुहाग पब्लिक स्कूल की प्रबंध कार्यकारिणी ने यह निर्णय लिया है की नर्सरी से कक्षा 5 तक कोई भी शुल्क नहीं लिया जाएगा।

पटेल फाउंडेशन ने 150वीं जयंती पर लौहपुरुष को किया नमन

शहीद स्मारक बावन इमली पहुंच आजादी के मतवालों को अर्पित किये श्रद्धा सुमन

फतेहपुर । लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल फाउंडेशन के तत्वाधान में अखण्ड भारत के निर्माता भारत रत्न, स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की 145वीं जयंती के शुभ अवसर पर महापुरुषों/स्वन्त्रता संग्राम सेनानियों की प्रतिमा स्थल/जन्म स्थली में दीप प्रज्वलन कार्यक्रम के अभियान की शुरुआत ठाकुर जोधा सिंह, प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, 1857 के फतेहपुर के स्वतंत्रता सेनानियों के गौरव की प्रतिमा स्थली बावन ईमली, खजुहा में दीप प्रज्वलन के माल्यार्पण एवं उनके कृतित्व व व्यक्तित्व पर विस्तृत विचार गोष्ठी आयोजित कर की गई । गोष्ठी को संबोधित करते हुए फाउंडेशन के मुख्य ट्रस्टी श्री राजेश सिंह जी ने बताया कि हमारे फतेहपुर के स्वतंत्रता संग्राम 1857 के गौरव ठाकुर जोधा सिंह अटैया जी को उनके 51 साथियों के साथ जो बलिदान दिया था वह निश्चित ही हमारे लिए स्वतंत्र भारत के लिए एक नींव का पत्थर साबित हुआ जिसके फलस्वरूप आज़ाद देश के नागरिक होने का गौरव अनुभव कर रहे हैं । फाउंडेशन के प्रमुख महासचिव आचार्य कमलेश योगी जी ने बताया कि बावनी ईमली के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 28 अप्रैल 1858 को इसी स्थान पर इसी ईमली के पेड़ में इस महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं इनके 51 साथियों को फाँसी पर जो ब्रिटिश सरकार ने जो पाप किया था और इन शहीदों के मृत शरीर को जनता ने भयवश पेड़ों ने नही उतारा था । इन शहीदों के शवों को पक्षियों ने क्षत विक्षत किया था ऐसे क्रूर व नृशंस कृत्य को धता बताते हुए महाराज सिंह पहुर रामपुर निवासी ने 3 जून की रात को अस्थि पंजरों को ले जाकर दाह संस्कार किया। कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. अनुज सिंह रावत ने अपनी ऐतिहासिक धरोहरों को संभालने व उनके आदर्शों को जीवन में उतारकर अपने जीवन का मूल्य समझे व हमारे पूर्वजों द्वारा दिये गए बलिदान को सार्थक बनाये।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अभिषेक, वीरेंद्र कुमार पाल, जय वर्मा, कमल सिंह, राजेन्द्र सिंह, मूल चंद्र सिंह, अरुण कुमार पटेल, राकेश, रमा शंकर, सियाराम, मोईद अहमद, मुशीर, राम सहर पटेल, अशोक उत्तम, नवल सिंह पटेल, जगदीश चंद्र आदि में सक्रिय सहभाग किया व सभी ने यह प्रण लिया कि हर वर्ष इसी तरह का कार्यक्रम जारी रहेगा।

उफान पर यमुना नदी, दहशत में कटरी के बाशिंदे

फतेहपुर । जिले में भले औसतन कम बारिश हुई है, लेकिन अन्य जगहों पर लगातार हो रही बारिश के चलते यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है जिससे कटरी क्षेत्र के बाशिंदे दहशत में हैं।

इस समय दूर-दराज इलाकों में लगातार हो बारिश से यहां यमुना ने पूरी तरह से अपना रौद्र रूप धारण कर लिया है जिससे यमुना कटरी की बाशिंदे दहशत में हैं। फिलहाल अभी किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन ग्रामीणों के चेहरों पर किसी अनहोनी को लेकर चिंता की लकीरें साफ झलकती हैं।

गौरतलब है कि विजयीपुर ब्लाक क्षेत्र के मडौली, गढीवा, मझिगवां, गुरवल, महावतपुर असहट, गढा, नरौली, संगोलीपुर, बरियाछ और खलवा टिकुरा समेत कई गांव के ग्रामीण यमुना का रौद्र रूप देख दहशत में आ गए हैं। पिछले वर्ष ये सभी गांव बाढ़ की चपेट में आ गए थे। नरौली, महावतपुर असहट समेत कई गांव बाढ़ से घिर गये थे। इन गांव के लोगों का आवागमन बाधित हो चुका था। ग्रामीणों के आवागमन के लिए नौका का ही सहारा था। इन गांवों के लोग यमुना का बढ़ता जलस्तर देख फिर सतर्क हो चुके हैं। किशनपुर क्षेत्र के राजस्व निरीक्षक (आरआई) कुलदीप सिंह ने बताया कि क्षेत्र में गुरुवल, महापुर असहट और गढ़ा तीन बाढ़ चौकियां बनाई गई हैं। तीनों पर लगातार कर्मचारियों द्वारा निगरानी की जा रही है। किसी भी खतरे को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है।

बुखार आने से एक ही दिन गई दो मासूमों की जान

गांव में दहशत का माहौल

अमौली, फतेहपुर । जनपद का एक और गांव चांदपुर उस समय सुर्खियों में आ गया जब एक ही दिन संक्रामक बुखार की चपेट में आने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गयी वही एक दर्जन से अधिक लोग बीमारी से ग्रसित हो गए। इस वायरल बुखार से पीड़ित कुछ लोग तो अपने घरो पर ही इलाज करा रहे हैं वहीं कुछ ग्रामीण प्राइवेट अस्पतालों में अपना इलाज करा रहे हैं। पिछले 15 दिनों से संक्रामक बीमारी फैलने की आशंका हो चुकी हैं और उसकी चपेट में आकर तकरीबन 10 से अधिक लोग बीमार हो चुके हैं। वही इस गांव में शनिवार को उत्कर्ष (08) पुत्र सुरेश सिंह व अपने ननिहाल में रह रही सना (10) पुत्री अमजद दोनों मासूम बच्चों की बीते शनिवार शाम को मौत हो गई जिसको लेकर गांव में भय का माहौल है।

कच्चा मकान गिरने से दादी माँ सहित तीन मासूम मलबे में दबे

अमौली, फतेहपुर । ब्लॉक क्षेत्र के चांदपुर गांव में कच्चा मकान अचानक गिरने से गरीब परिवार की दादी मां सहित तीन मासूम मलबे में दब गए जिसमें दो मासूम जख्मी हो गए।

इस संबंधी जानकारी देते हुए अंकुर शुक्ला ने बताया कि उनकी दादी मां घर में खाना बना रही थी कि अचानक घर गिर गया ऐसे में उसकी नातिन कलावती 10 वर्षीय व लवकुश 07 वर्ष अनुराग सभी मलबे के नीचे दब गए, जिसमें कलावती और लवकुश दबने की वजह से जख्मी हो गए। गांव के मुन्नू सिंह, रामबरन सिंह, सौरभ सिंह समेत आस-पास के लोगो की मदद से सभी को बाहर निकाला गया।

जानकारी मिलते ही ग्राम प्रधान पति अर्जुन सिंह मौके पर पहुंचे और एक हजार पए सहायता राशि प्रदान करते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

अमीनाबाद के गणेशोत्सव में आज बृजेश पाठक के लिए होगा पूजन

लखनऊ, संवाददाता। अमीनाबाद के राजा के 30वें गणेशोत्सव में रविवार 30 अगस्त को प्रथम देव गणपति को 108 लाल रंग के पुष्पों से अभिषेक कर कोरोना मुक्ति के लिए कामना की गई। इस अवसर पर महिला मंडली ने गणेश भजन 'गणपति गजानन पधारो' और 'जय गणेश देवा' भी गाये। अतुल अवस्थी के संयोजन में हुए इस भजन अनुष्ठान में अलका पाटिल, वर्षा, राजीव, शीतल शिंदे, उर्मिल धनवड़े, रुचि, अभिनव अनन्य सहित अन्य शामिल हुए। अमीनाबाद के राजा गणेशोत्सव के अंतिम दिन सोमवार 31 सितम्बर को क्षेत्रीय विधायक और विधि न्याय मंत्री बृजेश पाठक और उनकी पत्नी नम्रता पाठक के, कोरोना संक्रमण से, मुक्त होने और जल्द स्वास्थ होने के लिए, प्रथम देव का विशेष अभिषेक किया जाएगा। उसके लिए प्रिया अवस्थी की ओर से 251 मोदक अर्पित किये जाएंगे। सिंदूर, दूर्वा, वस्त्र और पुष्पों का अभिषेक किया जाएगा।

आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों में चली गोलियां कई लोग घायल, एक गंभीर

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में आने वाले अहमद खेड़ा गांव में आपसी विवाद में कई राउंड फायरिंग व मारपीट हो गई। मारपीट में दोनों पक्षों के कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। जबकि दो गोलियां लगने से दिलीप गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका इलाज ट्रामा सेंटर में चल रहा है। जानकारी के मुताबिक दिलीप को गांव के ही दबंग उमाशंकर उर्फ नेता ने ताबड़तोड़ दो गोलियां मार दी। दोनों गोलियां दिलीप के कंधे में लगीं हैं। हालांकि अभी भी दिलीप की हालत नाजुक बताई जा रही है। मामला राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के अहमद खेड़ा गांव का है। जहां आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हो गई। कुछ देर बाद मामला इतना बढ़ गया कि गांव के ही उमाशंकर उर्फ नेता ने कई राउंड फायरिंग शुरू कर दी। जिसमे दो गोलियां लगने से दूसरे पक्ष का दिलीप गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका इलाज ट्रामा सेंटर में चल रहा है। हकांकि अभी भी हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं पुलिस के मुताबिक पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्यवाई की जा रही है।

राजधानी के दोहरे हत्याकांड मामले में मुकदमा दर्ज, कोई नामजद नहीं

लखनऊ, संवाददाता। उत्त प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गौतम पल्ली इलाके में एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी के बेटे और पत्नी की गोली मारकर हत्या के मामले में अज्ञात के खिलाफमुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस उपायुक्त मध्य सोमेन वर्मा ने रविवार को बताया कि रेलवे अधिकारी आरडी बाजपेई की तहरीर पर गौतम पल्ली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें अभियुक्त के तौर पर किसी का नाम नहीं दिया गया है। गौरतलब है कि गौतम पल्ली इलाके में शनिवार को वरिष्ठ रेलवे अधिकारी आरडी बाजपेई की पत्नी मालिनी बाजपेई (45) और बेटे शरद (20) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने वारदात के कुछ घंटे बाद इसका खुलासा करते हुए दावा किया था कि वाजपेई की नाबालिग बेटी ने ही अपनी मां और भाई की हत्या की है। पुलिस महानिदेशक एच सी अवस्थी के मुताबिक बाजपेई की बेटी मानसिक रूप से परेशान है। वह निशानेबाज है और उसने वारदात के लिए अपनी शूटिंग गन का इस्तेमाल किया था। लखनऊ के पुलिस आयुक्त सुजीत पांडे का दावा है कि लड़की ने अपनी मां और भाई को गोली मारने का जुर्म स्वीकार किया है।

आदर्श छात्र राजनीति की नर्सरी थे शहीद रविन्द्र सिंहः यशवन्त सिंह

लखनऊ, संवाददाता। लोकतन्त्र सेनानी कल्याण समिति के संरक्षक विधानपरिषद सदस्य यशवन्त सिंह ने रविवार को चन्द्रशेखर चबूतरा पर गोरखपुर और लखनऊ यूनिवर्सिटी छात्रसंघ के अध्यक्ष, 1977 में कौड़ीराम से विधायक तथा 1974 के छात्र युवा आंदोलन में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के भी प्रिय रहे अद्वितीय छात्रनेता रविन्द्र सिंह के जीवन पर विस्तृत प्रकाश डाला और कहा कि उनके निधन से दलविहीन सम्पूर्ण क्रांति की वह राजनीति मर गई जिसका स्वप्न खुद लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने देखा था। शहीद रविन्द्र सिंह की 41 वीं पुण्यतिथि पर आयोजित प्रार्थना सभा में विधानपरिषद सदस्य यशवन्त सिंह ने कहा कि रविन्द्र सिंह देश के अकेले छात्रनेता थे, जो चार पांच घण्टे तक लगातार धारा प्रवाह प्रभावी भाषण करते थे। सभा छात्रों की हो या किसानों की या मजदूरों की, जो उनकी सभा में आ जाता था, उनके भाषण के समापन के बाद ही अपनी जगह से टसमस होता था। अपने ओजस्वी भाषण से लोगों को प्रभावित करने की जादुई क्षमता से वह देश को छोड़िए, क्यूबा के अंर्तराष्ट्रीय युवा सम्मेलन में भी छाए रहे। उस सम्मेलन में शामिल लोग आज भी उसकी तारीफ करते नहीं अघाते हैं।विधानपरिषद सदस्य यशवन्त सिंह ने कहा कि रविन्द्र सिंह के संघर्षों का इतिहास आदर्श छात्र राजनीति की ऐसी नर्सरी है जो आज भी छात्र राजनीति में आदर्श जीने की प्रेरणा देती है, जिससे निकले पौधे आज भी समाज में फलदार और सायेदार दरख्त की तरह छाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज भी जिन लोगों के मन में राजनीति के माध्यम से समाज के लिए कुछ करने की इच्छा है, देश के लिए कुछ करने की इच्छा है, उन्हें श्री रविन्द्र सिंह के संघर्ष मय निर्भय जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रार्थना सभा की अध्यक्षता लोकतन्त्र सेनानी कल्याण समिति के संयोजक धीरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव ने की।इस अवसर पर समर बहादुर सिंह, उदय शंकर चौरसिया, संजय गुप्ता, अतुल चौबे, चंचल चौबे, बृजेश कनोजिया, अमित प्रजापति आदि ने भी रविन्द्र सिंह के प्रति भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रार्थना सभा में दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई।

बलरामपुर अस्पताल की स्थिति बेहतर नहीं हुई तो महानगर कांग्रेस करेगी आंदोलन

लखनऊ, संवाददाता। पूरे लखनऊ की स्वास्थ्य व्यवस्था लचर हो चुकी है स्थिति यह है कि मरीजों को अस्पताल में बेड तक मयस्सर नहीं है। बलरामपुर अस्पताल की स्थिति तो बदतर हो चुकी है लखनऊ महानगर कांग्रेस कमेटी ने जारी प्रेस नोट में कहा कि अगर तत्काल प्रभाव से बलरामपुर जिला अस्पताल की व्यवस्थाएं ठीक नहीं की जाती हैं तो कांग्रेस पार्टी आंदोलन के लिए बाध्य होगी। जारी प्रेस बयान में महानगर अध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि बलरामपुर अस्पताल से लगातार शिकायतें आ रही हैं। राजनैतिक दबाव के चलते बलरामपुर अस्पताल में पूर्णकालिक निदेशक की नियुक्ति नहीं हो रही है उन्होंने मांग की कि बलरामपुर अस्पताल में तत्काल पूर्णकालिक निदेशक के नियुक्ति की जाये। श्री चौहान ने कहा कि बलरामपुर जिला अस्पताल के निदेशक डॉ राजीव लोचन के खिलाफ आम जनमानस में बहुत आक्रोश है। लोगों का कहना है कि अपने राजनैतिक संबंधों के चलते डॉ राजीव लोचन पद पर बने हुए हैं।

21 साल के इतिहास मे पहली बार नही निकाला गया यौमे आशूर का जुलूस

नही दफ्न किए गए ताजिए घरो के अन्दर अजादारो ने मनाया शहीदो का गम कर्बलाओ के गेट पर रहे ताले चप्पे चप्पे की निगरानी मे मुस्तैद रही पुलिस

लखनऊ, संवाददाता। करीब 14 सौ साल पहले कर्बला मे दीने इस्लाम और इन्सानियत को बचाने के लिए अपने 71 सथियों के साथ यजीदी फौज के द्वारा शहीद किए गए हजरत इमाम हुसैन की शहादत का गम आज पूरी दुनिया मे मनाया गया लेकिन इस साल कोरोना वायरस के खतरे से लोगो को बचाने के लिए कही भी न तो कोई जुलूस ही निकाला गया और न ही यौमे आशूर के दिन कर्बलाओ मे ताजिए ही दफ्न किए गए। 1999 मे लखनऊ मे शिया सुन्नी और प्रशासन के बीच हुए मुहायदे मे श्िया समुदाय को नौ और सुन्नी समुदाय को एक जुलूस सशर्त निकालने की अनुमति दी गई थी। 1999 से लगातार शिया सुन्नी अपने अपने जुलूसो को निकालते रहे लेकिन साल 2020 मे कोरोना वायरस ने पूरी दुनियां को अपनी चपेट मे लिया तो सभी धर्मो के धार्मिक कार्यक्रमो को प्रतिबन्धित कर दिया गया इस बार मोहर्रम के महीने मे कोई भी जुलूस शिया समुदाय द्वारा नही निकाला गया लखनऊ में कुछ खास इमाम बाड़ो मे जिला प्रशासन द्वारा सिर्फ 5 लोगो के साथ मजलिस पढ़ने की इजाजत दी गई थी। शिया समुदाय के लोगो को ये आशा थी कि भले ही उन्हे इस बार कोरोना वायरस के कारण जुलूस न निकालने की इजाजत हो लेकिन कोरोना काल मे खुद को और दूसरो को कोरोना के खतरे से बचाने के लिए शिया फिरके ने भी जिला प्रशासन का परसपर सहयोग करते हुए इस बार मोहर्रम को पूरी तरह से सादगी के साथ अपने अपने घरो मे ही मनाया। अपको बता दे कि पुराने लखनऊ मे हजरत इमाम हुसैन की याद मे यौमे आशूर का जुलूस गमजदा माहौल मे कड़ी सुरक्षा के बीच निकाला जाता था। सुबह दस बजे नाजिम साहब के इमाम बाड़े मे मौलाना कल्बे जव्वाद नकवी जुलूस से पहले मजलिस पढ़ते थे जिसमे वो कर्बला का खौफनाक मन्ज़र बयान करते थे तो गमजदा अजादार अपने आपको रोने से रोक नही पाते थे। मजलिस के बाद नाजिम साहब के इमाम बाड़े से यौमे आशूर का जुलूस शुरू होता था जुलूस मे शामिल मातमी अन्जुमनो मे शामिल अजादार कमा और छुरिया का मातम कर इमाम हुसैन की याद मे अपने आपको लहुलुहान कर लिया करते थे। जुलूस मे शामिल मातमी अन्जुमनो के हजारो लोग मातम करते हुए या हुसैन के नारे लगाते हुए कर्बला तालकटोरा तक जाते थे। यौमे आशूर का जुलूस बजाजा स्थित नाजिम साहब के इमाम बाड़े से शुरू होकर अकबरी गेट, नख्खास बिल्लौचपुरा, विक्टोरिया स्ट्रीट , बाजार खाला, हैदरगंज, बुलाकी अडडा होता हुआ अपने निर्धारित समय पर कर्बला तालकटोरा मे सम्पन्न होता था। वही बाद नमाज जुमा अकबरी गेट स्थित एक मिनारा मस्जिद के बाहर हजरत इमाम हुसैन की याद मे जलसा इमाम हुसैन रजि का आयोजन किया जाता था जिसमे ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली मौलाना अलीम फारूकी मौलाना अली फारूकी शिरकत कर कर्बला मे शहीद हुए शहीदो के बुलन्द दर्जे को बयान करते थे लेकिन इस बार कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए न तो जुलूस ही निकाला गया और न ही एक मिनारा मस्जिद मे जलसा हुआ। कर्बला मे 10 मोहर्रम को शहीद हुए हजरत इमाम हुसैन का गम मनाने वाले अकीदतमंद अजादारो ने इस बार दोहरे गम का घूंट पिया यौमे आशूर के दिन अपने घरो से कर्बलाओ मे ताजिए न दफ्न कर पाने का गम भी अजादारो को परेशान करता रहा। दो मोहर्रम को मौलाना कल्बे जव्वाद नकवी न घरो मे ताजिए रखने की मांग को लेकर धरना दिया था धरने के बाद इमाम हुसैन के चाहने वालो को घरो मे ताजिए रखने की इजाजत तो मिल गई थी लेकिन घरो मे रख्खे ताजिए दफ्न करने की इजाजत से अजादार महरूम रहे। यौमे आशूर के दिन बजाजा स्थित नाजिम साहब के इमाम बाड़े से कर्बला तालकटोरा तक का करीब तीन किलो मीटर का रास्ता पूरी तरह से सूना रहा यहां सिर्फ पुलिस कर्मियो सिविल डिफेन्स और मीडिया कर्मियो की चहल कदमी ही नजर आई।

शिया बाहुल्य इलाको मे लगातार होती रही खास निगरानी

नौ मोहर्रम की रात से ही पुराने लखनऊ के शिया बाहुल्य इलाको मे तैनात भारी पुलिस बल पूरी तरह से मुस्तैद रहा। पुलिस के आला अफसर लोगो को समझाते रहे कि सरकारी गाईड लाईन लोगो की भलाई के लिए है। यौमे आशूर के दिन कोई अजादार अपने घर से ताजिया लेकर बाहर न निकले इस लिए पुलिस सुबह से ही चौकन्नी थी । शिया बाहुल्य इलाको मे पुलिस सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन कैमरो के अलावा बाडी वार्न कैमरो से भी निगरानी करती रही। पुराने लखनऊ के सआदतगंज ठाकुरगंज, चौक , बाजार खाला, वजीरगंज आदि क्षेत्रो मे पुलिस के आला अफसर सुरक्षा व्यवस्था का लगातार जायजा लेते रहे। वैसे तो पूरा पुराना लखनऊ संवेदनशील क्षेत्रो की श्रेणी मे माना जाता है लेकिन खास कर सआदतगंज, ठाकुरगंज और चौक क्षेत्र मे कुछ ज्यादा ही सुरक्षा के इन्तिजाम किए गए थे सआदतगंज के संवेदनशील शिया बाहुल्य क्षेत्रो मे ऊँचे मकानो की छतो पर भी पुलिस के जवानो की ड्यिूटी लगाई गई थी।

मायावती ने केंद्र सरकार के कदम अनलॉक की हर राज्यों में एक समान नीति' का किया स्वागत

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने केंद्र सरकार द्वारा कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए देशभर में अनलॉक की एक समान नीति बनाकर उसे हर राज्य में लागू करने के कदम का स्वागत किया है। मायावती ने रविवार को ट्वीट कर कहा केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा कोरोना प्रकोप से निपटने के लिए देश भर में लॉकडाउन,अनलॉक की एक सामान नीति बनाकर उसे हर राज्य में लागू करने के कदम का स्वागत, बसपा की यह शुरू से मांग थी। उन्होंने कहा इससे कोरोना की आड़ में राजनीति की संभावना को विराम लगेगा और जनता को ज्यादा सुविधा भी होगी। गौरतलब है कि गृह मंत्रालय ने शनिवार को अनलॉक-4 संबंधी दिशा निर्देश जारी किए हैं। इसमें एक महत्वपूर्ण निर्देश में मंत्रालय ने कहा है कि राज्य सरकारें केंद्र से सलाह-मशविरा किए बगैर निषिद्ध क्षेत्र के बाहर स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन लागू नहीं कर सकेंगी।

बसपा एमएलए के 'कीड़ा' कहने पर संजय सिंह ने माया को किया ट्वीट, कहा- बहन जी मैं आहत हूं

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना संकट के बीच उत्तर प्रदेश में लगातार सियासत की गर्मी भी लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में एक-दूसरे दलों पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। वहीं बसपा के विधायक उमाशंकर सिंह द्वारा राजनीतिक कीड़ा कहे जाने पर संजय सिंह ने बसपा सुप्रीमो मायावती को ट्वीट किया। जिसमें उन्होंने कहा कि बहन जी मैं आहत हूं। उन्होंने कहा बहन जी मैं आहत हूं ब्राह्मणों की हत्या दलितों,पिछड़ों पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाने पर योगी जी मुझे गालियां दें, एफआईआर करायें और आपकी पार्टी उनके साथ मिलकर मुझे कीड़ा बोले मेरा कसूर क्या है? क्या ब्राह्मणों और बहुजन समाज का मुद्दा उठाना गुनाह है।

विरोधियों में खौफपैदा कर रही है भाजपाः एनसीपी

लखनऊ, संवाददाता। भाजपा की केन्द्र और प्रदेश की सरकार लोकतंत्र को कुचलने का प्रयास कर रही है। यह जानकारी देते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रदेश अध्यक्ष श्री उमाशंकर यादवन कहा कि भाजपा की योगी सरकार ने अपराधियों को तो बेखौफएवं बेलगाम कर दिया है। वहीं अपने विरोधियों में खौफ पैदा करने में तेजी से लगी हुई है। वह इसके लिए दमनकारी हथकंडे अपना रही है। पिछले दिनों बलिया में जिस तरह बेखौफबदमाशों ने एक पत्रकार की दुस्साहसिक हत्या की लखीमपुर में फिर एक लड़की के साथ बलात्कार कर उसकी हत्या की गयी वहीं राजधानी लखनऊ में भी अपराध का बढ़ता ग्राफयोगी सरकार की कलई खाले रहा है, इलाहाबाद जनपद सहित अन्य कई जिलों में सीएए तथा एनआरसी का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने वालों को नोटिसें भेजी जा रही हैं।

मंगल भवन अमंगल हारी की चौपाइयां ऑनलाइन गूंजी

लखनऊ, संवाददाता। अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन रामायण पाठ पारायण का आयोजन 30 से 5 सितम्बर तक किया जा रहा है। इसमें भारत सहित फिजी, गयाना, मॉरिशस, दक्षिण अफ्रीका, सूरीनाम, थाईलैंड, अमेरिका से कलाकार और विद्वान जुड़ रहे हैं। इसके पहले दिन बालकांड का सरस पाठ भारत के आशुतोष द्विवेदी के रामायणी दल ने किया। देश-विदेश के भक्तों ने 卐मंगल भवन अमंगल हारी卐 चौपाइयां का आनंद ऑनलाइन अयोध्या शोध संस्थान लखनऊ के यू-ट्यूब लिंक की सहायता से लिया। इस वृहद योजना के मुख्य संरक्षक प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं। इसके साथ ही संस्कृति और पर्यटन मंत्री नीलकंठ तिवारी और प्रमुख सचिव संस्कृति जितेन्द्र कुमार इसके संरक्षक हैं। अयोध्या शोध संस्थान की ओर से धर्मिणी ऑफत्रिनिनाद एंड टोबैगो और अवधी कल्चर इन द कैरीबियन के सहयोग से इस अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन रामायण पाठ पारायण किया जा रहा है। इसमें त्रिनिनाद के कृष्ण और शास्त्री डेनियल जो लव-कुश बंधु के नाम से प्रसिद्ध हैं रामायण का पाठ पारायण करेंगे। रविवार 30 अगस्त को बालकांड का सरस पाठ भारत के मनोज कुमार गुप्ता, उमाशंकर उपाध्याय, ओम प्रकाश उपाध्याय, झलक मोहन, सुरेन्द्र कुमार, आशुतोष द्विवेदी, दीपक त्रिपाठी, चन्द्रेश और वंदना सिंह ने किया। बालकांड में बताया गया कि अयोध्या नरेश दशरथ की रानी कौशल्या के गर्भ से राम का, कैकेयी के गर्भ से भरत और सुमित्रा के गर्भ से लक्ष्मण और शत्रुघ्न का जन्म हुआ तो सब ओर उल्लास छा गया। राजकुमारों के बड़े हो कर कई राक्षसों का वध किया।

व्यापार मंडल के अध्यक्ष की अपील पर रूका अतिक्रमण अभियान

लखनऊ, संवाददाता। मिनी लॉकडाउन के दौरान नगर निगम जोन-6 के प्रवर्तन दल ने बिना किसी पूर्व सूचना के अतिक्रमण अभियान चलाया। पूरे दल-बल के साथ कोनेश्वर चौराहे से नगर निगम ने अपना अभियान शुरू किया। मिनी लॉकडाउन के चलते बाजार बन्द होने के कारण व्यापारियों में हड़कम्प मच गया। इस आकर्स्मिक अतिक्रमण हटाओं अभियान की कोई सूचना व्यापारियों को नहीं दी गयी और न ही कोई नोटिस इस संबंध में पहले दिया गया। व्यापारियों ने उ0प्र0 व्यापारी व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरूण मिश्रा से गुहार लगायी। इस पर व्यापार मंडल के अध्यक्ष ने तुरंत मौके पर पहुंच कर अधिकारियों से बात करके अतिक्रमण अभियान को स्थगित करवा दिया। जिससे दुकानदारों ने राहत की सांस ली। इस अवसर पर व्यापारियों के साथ ठाकुरगंज व्यापार मंडल के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाष गुप्ता मंडल के सदस्य आशीष सोनकर, ज्ञान प्रकाश, विशाल गुप्ता आदि उपस्थित थे। अध्यक्ष अरूण मिश्रा ने कहा कि व्यापारी वर्ग इस राष्ट्र की नींव है, राष्ट्र के विकास में इसे उपेक्षित न करें। इस समय वैश्विक महामारी में सभी को एक-दूसरे के साथ सहयोगात्मक रवैया अपनाना चाहिये ताकि उनका व्यवसाय फिर से खड़ा हो सके और पहले की तरह वे राष्ट्र के निर्माण में भागीदार बन सके। पूर्व में बालागंज से कैम्पबेल रोड पर जोन-6 के अर्न्तगत थाना ठाकुरगंज की पुलिस और आरएएफकी टुकड़ी की सहायता से बड़ी संख्या में अतिक्रमण हटाया गया था। परन्तु अतिक्रमण दस्ते के जाते ही पूर्व की भांति फिर से दुकानें सज गयी। लोगों ने फिर से सड़कों पर कब्जा कर लिया। स्थानीय दुकानदार मनोज मिश्रा ने बताया कि अतिक्रमण दस्ते के आने सूचना पहले से ही मिल जाती है जिससे वे अपना सामान पहले से ही हटा लेते है।

उत्तर प्रदेश में कोविड-19 से 67 और मरीजों की मौत

6,233 नए मामले सामने आए

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के 67 और मरीजों की मौत हो गई तथा वायरस से संक्रमण के 6,233 नए मामले सामने आए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने रविवार को बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में कोविड-19 के 67 और मरीजों की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि इस अवधि में राज्य में 6,233 और लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। प्रसाद ने बताया कि इस समय प्रदेश में 54,666 मरीजों का इलाज चल रहा है।

संक्रमित होने के बाद पूरी तरह से ठीक हो चुके मरीजों की संख्या 1,67,543 है। इस तरह

राज्य में कोविड-19 से मरीजों के ठीक होने की दर 74.25 प्रतिशत है जबकि मृत्यु दर घटकर 1.15: हो गयी है। प्रसाद ने बताया कि शनिवार को प्रदेश में 1,39,454 नमूनों की जांच की गई और अब तक प्रदेश में कुल 54,90,354 नमूनों की जांच की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि इस महीने सबसे ज्यादा संक्रमण दर कानपुर नगर, गोरखपुर, लखनऊ, महराजगंज, देवरिया और कुशीनगर में रही। सबसे कम संक्रमण दर बागपत, महोबा, हाथरस, संभल और हमीरपुर जिलों में है।

डालीगंज जैन मंदिर में करोना मुक्ति के लिए बीज मंत्रों का उच्चारण

लखनऊ, संवाददाता। जैन समाज की गणिनीप्रमुख ज्ञानमती माताजी द्वारा घोषित राजधानी का एकमात्र अतिशय क्षेत्र डालीगंज जैन मंदिर मे दशलक्षण महापर्व 23 अगस्त से प्रशासन द्वारा जारी निर्देश के तहत शांति पूर्वक श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। श्री जैन धर्म प्रवर्धनी सभा के अध्यक्ष विनय कुमार जैन की अगुवाई मे श्रद्धालुओं द्वारा अभिषेक, शांतिधारा के साथ ही करोना मुक्ति के लिए बीज मंत्र का उच्चारण किया जा रहा है। अध्यक्ष विनय जैन ने बताया कि 1 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन ब्रह्मचर्य धर्म की अर्चना होगी। जैन धर्म के 12 तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य का मोक्ष कल्याणक मनाया जाएगा। इस मौके पर ज्ञानमती माता महिला मंडल द्वारा आरती तथा ऑनलाइन प्रतियोगिता चल रही है। मूलनायक पर शांतिधारा वीर कुमार जैन, राजकुमार जैन, सौरभ जैन, अनुपम जैन व बाहुबली शांतिधारा सुशील जैन, मनीष जैन, अंकित जैन को सौभाग्य प्राप्त हुआ।

उप्र में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में अंदरूनी कलह जोरों पर

लखनऊ, संवाददाता। में साल 2022 की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जहां सभी राजनीतिक दलों ने तैयारियां करनी शुरू कर दी है और चीजों को व्यविस्थत करने में लगे हैं, वहीं यूपी में कांग्रेस खुद से ही लड़ने में व्यस्त है। पार्टी के भीतर अंदरूनी कलह जोरों पर है। पिछले हफ्ते हुई कांग्रेस कार्यकारिणी समिति की बैठक के बाद, जहां पार्टी के 23 वरिष्ठ नेताओं द्वारा लिखे गए एक पत्र ने भारी विवाद खड़ा कर दिया था, पार्टी आलाकमान के प्रति अपनी निष्ठा जताने के लिए अब कांग्रेस के नेता श्असंतुष्टोंश् को निशाना बना रहे हैं। सबसे पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद को निशाने पर लिया गया। लखीमपुर खीरी इकाई ने विवादास्पद पत्र पर हस्ताक्षरकर्ता करने के लिए पार्टी से उनके निष्कासन की मांग

करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। डीसीसी प्रमुख प्रहलाद पटेल ने दावा किया कि यह राज्यस्तरीय कांग्रेस नेतृत्व के एक पदाधिकारी के दबाव में पारित किया गया। बगावत की आग की लपटों को बुझाने के बजाय, यूपीसीसी नेतृत्व ने इस मुद्दे पर जानबूझकर चुप्पी साध रखी है। दो स्थानीय कांग्रेस नेताओं के बीच बातचीत के एक असत्यापित ऑडियो क्लिप से पता चला कि प्रसाद के खिलाफ प्रदर्शन एक वरिष्ठ पार्टी नेता के इशारे पर किया गया था और कुछ मजदूरों को नारे लगाने के लिए भाड़े पर लिया गया था। यूपीसीसी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने दिलचस्प रूप से इस मामले में पार्टी का बचाव करते हुए कहा कि पार्टी के कुछ कार्यकर्ता अपनी भावनाओं को पार्टी आलाकमान तक पहुंचाना चाहते हैं। इसके तुरंत बाद, पूर्व कांग्रेस एमएलसी नसीब पठान ने एक वीडियो संदेश डाला, जिसमें दिग्गज नेता गुलाम नबी आजाद को पार्टी से बाहर करने की मांग की गई थी। पठान ने कहा, जैसा कि उन्होंने पार्टी के अनुशासन को तोड़ा है, उन्हें आजाद कर दिया जाना चाहिए और पार्टी से निकाल दिया जाना चाहिए। नसीब पठान संयोग से, एक समय यूपी कांग्रेस में आजाद के कट्टर वफादारों में से एक हुआ करते थे। अब, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष निर्मल खत्री ने आजाद पर उत्तर प्रदेश में 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को कांग्रेस-समाजवादी पार्टी गठबंधन के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है।

गायत्री ज्ञान मंदिर इन्दिरा नगर में 2 सितम्बर से पिण्ड तर्पण प्रारम्भ होगा

लखनऊ, संवाददाता। सरकार के लॉकडाउन नियमानुसार, सोशल डिस्टेन्सिंग, मास्क एवं छोटा पॉकेट सेनीटाइजर की अनिवार्यता के साथ पिण्ड तर्पण एवं गायत्री होगा। पितृं की आत्म उन्नति के यम गायत्री से विशेष आहुतियाँ प्रदान की जायेगी। इन्दिरा नगर सेक्टर-9 स्थित गायत्री ज्ञान मंदिर में प्रतिवर्ष की भाँति पितृपक्ष के अवसर पर 02 सितम्बर 2020 से पिण्ड तर्पण प्रारम्भ होगा तथा 17 सितम्बर 2020 तक नियमित चलेगा। पूर्णिमा का तर्पण दिनांक 02.09.2019 को होगा। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने बताया किया प्रातः 5:30 बजे से देव आवाहन, देवपूजन के उपरान्त पिण्ड तर्पण प्रारम्भ होगा, तदोपरान्त गायत्री यज्ञ प्रतिदिन होगा। श्री शर्मा ने बताया कि तर्पण के सभागार में युग ऋषि द्वारा रचित धर्म एवं अध्यात्म, वैज्ञानिक विश्लेषण के साथ जीवन मृत्यु एवं पितृं से सम्बन्धित विशेष साहित्य जैसे- मैं क्या हूँ?

प्रदेश में ब्राह्मणों की हो रही हत्या-उत्पीड़न सरकार पर हावी है गुण्डाराजः वंशराज दुबे

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश से गुण्डाराज खत्म करने का वादा करते हुए 2017 में सत्ता संभालने वाली भाजपा सरकार के शासन में आज गुण्डाराज और अपराध चरम पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कई बार दावा कर चुके हैं कि मेरी सरकार में अपराधी या तो जेल में हैं या फिर प्रदेश छोड़कर जा चुके हैं। लेकिन आज हर तरफ अपराधियों का बोलबाला है। यह बात आम आदमी पार्टी या यूपी की आम जनता ही बल्कि भाजपा के अपने विधायक और सांसद भी कह रहे हैं। रविवार को आम आदमी पार्टी की स्टूडेंट विंग 'छात्र युवा संघर्ष समिति' (सीवाईएसएस) के प्रदेश अध्यक्ष वंशराज दुबे ने लखनऊ में एक प्रेस वार्ता कर योगी सरकार पर जमकर हमला बोला। छात्र नेता ने कहा, भाजपा विधायक मोहनदास अग्रवाल खुद कह रहे हैं कि प्रदेश में जाति विशेष की सरकार चल रही है। थानों में जाति विशेष को देखकर कार्रवाई हो रही है। ब्राह्मण समाज पर अत्याचार हो रहा है। सीवाईएसएस के प्रदेश अध्यक्ष वंशराज दुबे ने कानपुर के बिकरू कांड में पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। कहा कि पुलिस ने बिकरू कांड की आड़ में जमकर खूनी तांडव किया। प्रभात नाम के एक नाबालिग ब्राह्मण युवक का भी एनकाउंटर कर दिया गया। जबकि प्रभात के खिलाफएक भी एफआईआर दर्ज नहीं थी। बिकरू कांड में एक अपराधी की नवविवाहिता खुशी दुबे को पुलिस ने जेल भेज दिया है। जबकि वह बिकरू कांड से करीब 4-5 दिन पहले ब्याह के लाई गई थी। छात्र ने कहा, गोरखपुर में राजेश्वर पांडेय नाम के एक वकील की हत्या कर दी गई। 2 जुलाई की रात को ही प्रयागराज में ब्राह्मण परिवार के चार सदस्यों की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। प्रतापगढ़ में दो लोगों की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गयी। आप नेता ने कहा कि प्रदेश में पत्रकार भी सुरक्षित नहीं हैं। गाजियाबाद में पत्रकार विक्रम जोशी की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। उन्नाव में खनन माफिया के खिलाफखबर लिखने पर पत्रकार शलभमणि त्रिपाठी की हत्या कर दी गई। श्री दुबे ने कहा कि प्रदेश में ब्राह्मण सहित अन्य जातियों पर अत्याचार हो रहा है।

प्रदेश में ब्राह्मण हत्या और उत्पीड़न के खिलाफआवाज उठाने वालों को खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सदन में नमूना बता रहे हैं। आप सांसद संजय सिंह के खिलाफइस सरकार ने 10 फर्जी मुकदमे दर्ज करा दिए गए। हमारे पार्टी कार्यालय को बंद करा दिया गया। सरकार हमारी आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। लेकिन सरकार के खिलाफ उठाते रहेंगे। छात्र नेता ने बसपा को भाजपा की बी टीम बताते हुए कहा, बसपा के विधायक तो सीएम योगी से भी आगे निकल गए।

करोड़ छात्रों को मुंह चिढ़ाती आनलाइन शिक्षा

जी हॉ इसे माने या न माने लेकिन आनलाइन शिक्षा का जो दुनियाभर का आकड़ा सामने आया है वह चौकाने के साथ समाज को दो भागों में विभाजित करने वाला है। इसमें एक संवर्ग जहॉ सम्पन्न तो दूसरा संवर्ग निर्धन नजर आ रहा है। निश्चित तौर पर अगर संवधानिक और नैसर्गिक न्याय के आधार पर देखा जाए तो जो परिस्थितिया निर्मित हुई या बनाई गई इसके लिए जो जिम्मेदार नही है उन्हें भी न चाहते हुए परिणाम भुगताना पड़ रहा है। इसके लिए कही सरकार जिम्मेदार है तो कही अभिभावकों की गरीबी और कोरोना काल में आई बेरोजगारी ने अभिभावकों को बच्चों के सामने लाचार बना दिया है। कोरोना काल विश्व भर की शिक्षा की जो रिपोर्ट यूनिसेफ, यूनेस्कों और वल्ड बैंक ने जारी की है वह वाकई चौकाने वाली है।दुनिया के 26 करोड़ बच्चे कभी स्कूल नहीं जा पाएंगे। अब आनलाइन शिक्षा की बॉत करें तो 47 करोड़ बच्चों के पास पढ़ने के लिए टीवी और स्मार्टफोन नहीं। जबकि गॉवों की तस्वीर तो और अलग है यानि गांवों में चार में से तीन बच्चे पढ़ाई से दूर और जो पढ़ भी रहे है वे नेटवर्क और बिजली आपूर्ति से दोचार है। कोरोना के बारे में आने वाले समय में सच का खुलासा होगा इसके पूर्व अगर आनलाइन शिक्षा के परिणामों का आंकलन होगा तो सच यह सामने आएगा कि कोरोना काल में शिक्षण व्यवस्था दोहरे मापदण्ड से गुजरी है। यानि यह कहा जाए कि संसाधन विहीन छात्रों के लिए आनलाइन शिक्षा मृगमरीचिका या फिर मुंह चिढ़ाती नजर आ रही है। ऐसी स्थिति में अगर भारत की बॉत करे तो देश में ऑनलाइन एजुकेशन के लिए सिर्फ 24 फीसदी घरों में ही सुविधा उपलब्ध है। 27 फीसदी छात्रों के पास मोबाइल या लैपटॉप नहीं है। कोरोना की वजह से भारत में करीब 15 लाख स्कूल बंद हुए, जहां 28 करोड़ बच्चे पढ़ते हैं।इसमें 49 फीसदी लड़कियां हैं। कोरोना के चलते पिछले 5 महीने से दुनियाभर के ज्यादातर स्कूल-कॉलेज बंद हैं। भारत सरकार ने भी 30 सितंबर तक इन्हें बंद रखने का फैसला किया है। उधर महाराष्ट्र सरकार ने केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि जनवरी 2021 से स्कूल और कॉलेज खोले जाए, ओडिशा ने भी दशहरे तक स्कूल-कॉलेज बंद रखने का फैसला किया है, बाकी राज्यों में भी कमोबेश यही हालात हैं। अब जबकि शिक्षण संस्थाओं चाहे वह सरकारी हो या निजी क्षेत्र के हो इनके द्वारा आनलाइन शिक्षा पर जोर दिया गया तो इसके लिए सोचना यह होगा कि एक तरफ अभिभावकों को सरकार के सख्त दिशा निर्देश के बावजूद फीस तो भरनी ही पड़ रही यही नही यह केवल निजी क्षेत्र में चल रहा है बल्कि सरकार के स्कूलों में भी बकायदा कोरोना काल की फीस जमा कराई जा रही है। ऐसे में आनलाइन शिक्षा के लिए मोबाईल, लेपटॉप, इन्टरनेट का खर्च अभिभावकों पर भारी प रहा है। कोरोनाकाल में बड़ी संख्या में नौकरियां गई हैं, लोगों के बिजनेस बंद हुए हैं। जिसका सीधा-सीधा असर एजुकेशन पर भी पड़ा है। लॉकडाउन के दौरान पढ़ाई प्रभावित न हो इसलिए कई देशों ने रिमोट लर्निंग सिस्टम या ऑनलाइन क्लासेज की व्यवस्था की। मोबाइल, टीवी और रेडियो के जरिए छात्रों को पढ़ाया जा रहा है। हालांकि, बड़ी

संख्या में ऐसे बच्चे हैं जिनके पास ऑनलाइन क्लास की सुविधा नहीं है, उनके पास मोबाइल और टीवी नहीं है। खासकर के गांवों में, अगर मोबाइल है भी तो इंटरनेट नहीं है, कई इलाकों में मोबाइल चार्ज करने के लिए बिजली भी नहीं है।इससे पहले एजुकेशन को लेकर कुछ दिन पहले यूनेस्को की एक रिपोर्ट आई थी जिसमें कहा गया था कि कोरोना के चलते दुनियाभर के करीब 1 करोड़ बच्चे कभी स्कूल नहीं जा पाएंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना से पहले दुनिया में 25 करोड़ बच्चे से शिक्षा से वंचित थे। इस तरह देखें तो 26 करोड़ बच्चे अब कभी स्कूल जाने की स्थिति में नहीं होंगे। अब ये आकड़े क्या चौकाने वाले नही की आने वाले समय में 26 करोड़ बच्चों का भविष्य अंधकार की गर्त में चला जाएगा। हाल ही में आई यूनिसेफ यूनेस्को और वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर में करीब 150 करोड़ स्टूडेंट्स कोरोना से प्रभावित हुए हैं, इनमें से 47 करोड़ छात्र 31 प्रतिशत की पढ़ाई नहीं हो पा रही है। ईस्ट अफ्रीका और साउथ अफ्रीका में 49 फीसदी छात्रों को ऑनलाइन एजुकेशन की सुविधा नहीं मिल पा रही है। लैटिन अमेरिका में स्थिति जरूर बेहतर है। वहां करीब 9 फीसदी ही छात्र ऐसे हैं जो ऑनलाइन एजुकेशन का फायदा नहीं उठा पा रहे हैं।दुनियाभर के 110 देशों में अलग अलग लेवल यानी प्री प्राइमरी, प्राइमरी और अपर क्लासेस के बच्चों को किस तरह से और किन माध्यमों से पढ़ाया जा रहा है, इसको लेकर सर्वे किया गया है। इंटरनेट के माध्यम से पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स की संख्या टीवी और रेडियो के जरिये पढ़ने वालों से ज्यादा है। प्री प्राइमरी में 42 फीसदी, प्राइमरी में 74 फीसदी और अपर सेकेंडरी लेवल पर 77 फीसदी स्टूडेंट्स इंटरनेट के जरिए पढ़ाई कर रहे हैं। ऑनलाइन एजुकेशन का फायदा शहरी क्षेत्रों के बच्चे तो उठा रहे हैं, लेकिन गांवों में कम ही बच्चों तक ये सुविधा पहुंच पा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, गांवों में हर चार में से तीन बच्चे ऑनलाइन एजुकेशन से दूर हैं। इसमें गरीब तबके के बच्चे ज्यादा हैं। मिनिमम इनकम वाले देशों में 47 फीसदी और मिडिल इनकम वाले देशों में 74 फीसदी बच्चे कोरोना की वजह से एजुकेशन से दूर हो गए हैं। हम भारत की बात करें तो कोरोना की वजह से करीब 15 लाख स्कूल बंद हुए हैं, जहां 28 करोड़ बच्चे पढ़ते हैं। इसमें 49 फीसदी लड़कियां हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में सिर्फ 24 फीसदी घरों में ही ऑनलाइन एजुकेशन की सुविधा उपलब्ध है। जबकि एनसीईआरटी की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 27 फीसदी छात्रों के पास मोबाइल या लैपटॉप नहीं है। 28 फीसदी बच्चों के पास फोन चार्ज करने के लिए बिजली नहीं है। इसके अलावा जिनके पास ऑनलाइन एजुकेशन की सुविधा है, उन्हें भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।एनसीईआरटी के सर्वे में 33 फीसदी बच्चों ने बताया कि वे अपनी पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पा रहे हैं। जबकि कई ऐसे बच्चे हैं जिन्हें साइंस और मैथ्स के सब्जेक्ट में ज्यादा दिक्कत आ रही है, ऑनलाइन उनके डाउट्स क्लियर नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में अगर स्कूल-कॉलेज खोल दिए जाए तो इन समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। लेकिन, सवाल यह है कि क्या इसके लिए स्कूल-कॉलेज तैयार हैं, क्या उनके पास सुविधा हैं। यूनिसेफ और डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, दुनिया में हर पांच में से दो स्कूलों के पास साफ सफाई के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं।शिक्षा जगत में इस बात पर बहस है कि ऑनलाइन रुझान क्या भविष्य में ज्यादा से ज्यादा बच्चों को स्तरीय शिक्षा मुहैया करा पाने की संभावना देगा. क्योंकि बात सिर्फ इंटरनेट और लर्निंग की नहीं है बात उस विकराल डिजिटल विभाजन की भी है जो इस देश में अमीरों और गरीबों के बीच दिखता है। वैसे क्लासरूम शिक्षा का विलोप भारत जैसे देश में संभव नहीं है, जरूरत इस बात की है कि शिक्षा का ऐसा एक समन्वयकारी और समावेशी ढांचा बनाया जाए जिसमें डिजिटल शिक्षा पारंपरिक शिक्षा पद्धति का मखौल न उड़ाती लगे और न पारंपरिक शिक्षा, डिजिटल लर्निंग के नवाचार को बाधित करने की कोशिश करे।

सम्पादकीय

नेपाल से बाढ़ न लाएं नदियां

मानसून के मौसम में उत्तर बिहार और नेपाल से लगने वाले उत्तर प्रदेश के जिलों में बाढ़ कहर बनकर टूटती है। नेपाल के तराई इलाके भी इन दिनों इसी तरह पानी में डूब जाते हैं। इन इलाकों के लोग हर साल यह त्रासदी भोगते हैं। सीमा पार करने वाली कोसी, गंडक/ नारायणी और करनाली/ घाघरा के साथ-साथ राप्ती और महाकाली/ शारदा जैसी नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश होने से धारा प्रवाह इतना तेज हो जाता है कि मैदानी इलाकों में ये नदियां सब कुछ बहा ले जाती हैं। अब तक दोनों देशों ने बाढ़-नियंत्रण के कई उपाय किए, जिनमें अमूमन नदियों को बांधने के प्रयास किए गए हैं। बांध-निर्माण इसी उपाय का हिस्सा है। मगर इन सबकी अपनी मुश्किलें हैं। दरअसल, ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में मिट्टी के कटाव और भूस्खलन के कारण खासतौर से पूर्वी नदियां भारी गाद लिए नीचे उतरती हैं। इस कारण मैदानी इलाकों में उनका तल ऊंचा उठने लगा है। यही कारण है कि कुछ जगहों पर कोसी अब आसपास की सतह से ऊपर बहने लगी है। तटबंध अस्थाई तौर पर राहत देने वाले उपाय हैं। अगर लंबे समय तक नदी के तटों का अतिक्रमण किया जाए, तो नतीजे भयावह हो सकते हैं। 2008 का दुखद अनुभव हम शायद ही भूल सकते हैं, जब कोसी का पूर्वी तटबंध टूट गया था। समस्या इसलिए ज्यादा जटिल हो गई है, क्योंकि पिछले 200 वर्षों में कोसी ने अपना रास्ता काफी बदल लिया है। बाढ़ के लिए दोनों देश एक-दूसरे को दोषी मानते हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार के मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री से शिकायत करते हैं कि सीमा-पार करने वाली इन नदियों और उनकी सहायक धाराओं के लिए तटबंध-निर्माण में नेपाल पूरा सहयोग नहीं दे रहा, जबकि कुछ कार्यों में तो केंद्र सरकार ही आर्थिक मदद दे रही है। दूसरी तरफ, नेपाल अपने तराई क्षेत्र में आने वाली बाढ़ के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता है। उसका आरोप है कि भारत ने जल-निकासी के लिए पर्याप्त व्यवस्था किए बिना सीमावर्ती इलाकों में सड़कें बना दी हैं। बकौल नेपाल, ये सड़कें बांध की तरह काम करती हैं और नेपाल की जमीन और गांवों के डूबने की वजह बनती हैं। हालांकि, भारत-नेपाल की एक साझा तकनीकी टीम इस आरोप से इत्तेफाक नहीं रखती। यह अलग बात है कि नेपाली अधिकारियों ने इस टीम की रिपोर्ट को ही खारिज कर दिया है। ऐसे में, इस समस्या को जड़ से मिटाने के लिए दीर्घकालिक स्थाई दृष्टिकोण की जरूरत है। लिहाजा, भारत को मिट्टी के कटाव को रोकने और पुनः वनरोपण परियोजनाओं में नेपाल का सहयोग करना चाहिए। इन परियोजनाओं में चुरे (शिवालिक) पहाड़ियों पर चल रहे राष्ट्रपति चुरे संरक्षण कार्यक्रम को भी शामिल किया जाना चाहिए। इससे भी अहम यह है कि हमें नेपाल की कई जलाशय परियोजनाओं को गति देने की जरूरत है, जिन पर पूर्व में हमने सहमति तो बनाई, लेकिन उनका काम धीमी गति से चलता रहा है। मोदी सरकार का महाकाली/ शारदा नदी पर प्रस्तावित पंचेश्वर जल-विद्युत परियोजना पर खासा जोर है, जो 1990 के दशक के मध्य से लगभग दो दशकों तक ठप पड़ी हुई थी। दुर्भाग्य से, इसमें फिर से पेच फंस गया है, क्योंकि भारत का यह प्रस्ताव नेपाल मानने को तैयार नहीं कि महाकाली के पानी में शारदा बैराज के पानी को भी शामिल कर लिया जाए। अगर यह मसला राजनीतिक स्तर पर नहीं सुलझ पाता है, तो यह परियोजना फिर से लटक जाएगी और इसकी लागत भी बहुत बढ़ जाएगी। पिछली बार, जब इसका काम रुका था, तब इसकी कुल लागत 12,000 करोड़ से बढ़कर करीब 40,000 करोड़ रुपये हो गई थी, जबकि इसकी कुल क्षमता जल-स्तर, प्रवाह जैसे जल-विज्ञान संबंधी कारणों की वजह से 6,720 मेगावाट से घटकर 5,040 मेगावट रह गई थी। इसके अलावा, कोसी नदी पर प्रस्तावित उच्च बांध को भी हमें तवज्जो देनी चाहिए। बेशक दशकों पहले कोसी बैराज बनाया गया था, और तटबंधों के कामों में भी तेजी आई है, लेकिन प्रस्तावित उच्च बांध का काम सिरे नहीं चढ़ सका, जबकि 1950 के दशक में ही इसका खाका तैयार हो गया था। इसको गति देने के लिए साल 2004 में संयुक्त परियोजना कार्यालय भी बनाया गया, लेकिन विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए जरूरी सर्वे संबंधी कामों को वह अब तक पूरा नहीं किया जा सका है। हालांकि, इसकी एक वजह स्थानीय लोगों का विरोध भी है। लिहाजा, उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए गंभीर प्रयास किए जाने चाहिए, विशेष रूप से उन इलाकों के लोगों की, जो डूब क्षेत्र बन जाएंगे। नेपाल हमें जमीन पर कम समर्थन दे रहा है, क्योंकि जलमग्न इलाके उसी के हैं, जबकि सिंचाई व बाढ़-नियंत्रण के लिहाज से बड़ा फायदा भारत को होगा। नेपाल के हितों को ध्यान में रखते हुए ही सनकोसी संग्रहण-सह-डायवर्जन योजना को इस परियोजना में शामिल किया गया है। जाहिर है, कोसी परियोजना की लागत और लाभ को निष्पक्ष ढंग से साझा करने की दिशा में काम करने की दरकार है। अब तक भारत द्विपक्षीय नजरिए से ही सोचता रहा है। मगर इसमें बांग्लादेश भी एक पक्ष है, क्योंकि इस परियोजना से गंगा और पद्मा नदी का पानी भी नियंत्रित हो जाएगा। ऐसे में, त्रिपक्षीय सहयोग फायदेमंद साबित होगा, जिससे नेपाल के लिए इस परियोजना पर आगे बढ़ना आसान हो जाएगा। यदि यह परियोजना साकार होती है, तो नेपाल के लिए बड़ा लाभ यह होगा कि गंगा और कोसी के साथ अंतर्देशीय जलमार्ग बनाया जा सकेगा, जिससे कारोबार में उसकी परिवहन लागत कम हो जाएगी। इससे उप-क्षेत्र में आपसी सहयोग की भावना भी मजबूत होगी।

साख पर सवाल

कोरोना संकट में लागू लॉकडाउन के दौरान कर्जदाताओं को उनकी ईएमआई में केंद्र सरकार द्वारा राहत देने की घोषणा का सिरे न चढ़ना उम्मीदों से छल जैसा ही है। यही वजह है कि देश की शीर्ष अदालत ने सरकार को आड़े हाथों लिया है और तमाम तरह के ज्वलंत सवाल खड़े किये हैं। निस्संदेह कोरोना महामारी के संकट से हर आदमी बुरी तरह त्रस्त है। संक्रमण रोकने की कवायद में मार्च के अंत में लॉकडाउन लगाना सरकार का ही फैसला था। ऐसे में लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था के प्रभावित होने और उसके परिणामों से जनता को राहत देना भी सरकार का नैतिक दायित्व ही है। यह बहस का मुद्दा हो सकता है कि क्या सख्त लॉकडाउन लागू करना कोरोना संक्रमण को रोकने का अंतिम उपाय था? क्या यह वास्तव में प्रभावी भी रहा। बहरहाल, जब सरकार ने ईएमआई में राहत देने की घोषणा की तो उसका क्रियान्वयन भी सुनिश्चित होना चाहिए था। सरकार को भी इस बात का अहसास था कि बैंक आम आदमी को अपनी शर्तों पर कर्ज देते हैं और वसूली करते हैं। ऐसे में राहत के विकल्पों पर विचार किया जाना जरूरी था। जब ऋण स्थगन पर ब्याज को माफ करने की बात कही गई तो सरकार ने खूब वाहवाही लूटी थी। लेकिन अब वह अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है, जिसे शीर्ष अदालत ने सिरे से खारिज किया है। इस मुद्दे पर मानवीय दृष्टिकोण से भी सरकार का दायित्व बनता है कि कोरोना संकट के चलते तमाम तरह के संत्रास से जूझते लोगों को राहत पहुंचायी जाये। सरकार जब उद्योगपतियों को अरबों की राहत दे सकती है तो आम आदमी को छोटी राहत क्यों नहीं दी जा सकती। क्या सरकार आपदा प्रबंधन अधिनियम का हवाला देकर बैंकों को स्थगित ईएमआई का ब्याज माफ करने को बाध्य नहीं कर सकती? सही मायनो में शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को राजधर्म याद दिलाया है कि कैसे संकटकाल में प्रजा के अहसासों का ख्याल रखा जाना चाहिए। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि कोरोना संकट के दौरान लॉकडाउन के चलते करोड़ों लोगों की नौकरियां गई हैं, करोड़ों लोगों की आय के स्रोत सिमटे हैं तो तमाम लोगों के वेतनों में कटौतियां की गई हैं। हकीकत यह भी है कि अनलॉक के कई चरणों के बावजूद आर्थिक गतिविधियां सामान्य नहीं हो पायी हैं। ऐसे दौर में छोटी-सी मदद भी डूबते को तिनके का सहारा जैसी साबित हो सकती है। सवाल सरकार की विश्वसनीयता का भी है। कई सवाल दूर तलक जाते हैं। यह भी कि सरकार ने आंकड़ों की बाजीगरी से जो बीस लाख करोड़ का पैकेज घोषित किया था, उसका धरातल पर कितना लाभ हुआ है? यदि घोषणाएं सिरे नहीं चढ़ती हैं तो जनता में सरकार के प्रति अविश्वास का वातावरण पैदा होता है, जिसके दूरगामी नकारात्मक परिणाम सरकार को झेलने पड़ सकते हैं। दरअसल, जब सरकार ने ईएमआई में स्थगन और राहत की बात कही तो कर्जदाताओं को इस बात का अहसास नहीं था कि उन्हें किस तरह और कितना लाभ होगा। लेकिन अब जब उन्हें ब्याज पर ब्याज देना पड़ेगा तो उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचेगी। ऐसे में शीर्ष अदालत की मंशा की सराहना की जानी चाहिए। दरअसल, केंद्र सरकार इसे केंद्रीय बैंक और बैंकों का मामला बताकर पल्ला झाड़ने की जुगत में लगी है। सरकार को घोषणा करने से पहले सोचना चाहिए था कि इस राहत को जमीनी हकीकत में कैसे बदला जायेगा। इसमें दो राय नहीं कि कोरोना संकट के चलते सरकार के राजस्व के स्रोत भी सूखे हैं। जीएसटी संग्रहण में आई भारी कमी उसके सामने नई चुनौती पैदा कर रही है, जिसको लेकर गैर-भाजपा राज्य सरकारों ने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। लेकिन संकटकाल में बेहतर आर्थिक प्रबंधन में ही सरकार की कार्यकुशलता निर्भर करती है। निस्संदेह उसके सामने भी बड़ा वित्तीय संकट है। लेकिन इसके बावजूद सरकार के पास तमाम विकल्प हो सकते हैं। अपनी साख को कायम रखने के लिये केंद्र सरकार को इस दिशा में कोई सकारात्मक पहल तो करनी ही पड़ेगी।

नकारात्मकता व विवादों की सीढ़ियां चढ़कर शोहरत की बुलंदियाँ छूने का चस्का

मानवाधिकारों की रक्षा के दायरे में आने वाली श्अभिव्यक्ति की स्वतंत्रताश् किसी भी व्यक्ति का एक ऐसा अधिकार है जिसके तहत वह अपनी बात किसी भी संबंधित व उचित मंच पर रख सकता है। ऐसा करने से उसकी आवाज सार्वजनिक होती है,उसका विस्तार होता है तथा उसे बल मिलता है यहाँ तक कि प्रायः उसका कोई निष्कर्ष भी निकलता है। परन्तु जहाँ कहीं तानाशाही होती है या कोई ऐसा शासन होता है जो अपनी प्रशंसा में तो हर तरह का झूठ-सच सुनने का शौक रखता हो परन्तु उसे अपनी आलोचना बर्दाश्त नहीं वहां आलोचकों की श्अभिव्यक्ति की स्वतंत्रताश् के सारे अधिकार धरे रह जाते हैं तथा उसी श्अभिव्यक्ति की स्वतंत्रताश् रुपी महत्वपूर्ण श्मानवाधिकारश् को राजद्रोह,देशद्रोह या देश विरोधी आदि कोई भी नाम देकर या तो जेल भेज दिया जाता है या उसका मुंह बंद करने के अनेक दूसरे हथकंडे भी अपनाए जाते हैं। परन्तु यदि सत्ता को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में नफरत फैलाने,धार्मिक विद्वेष फैलाने,सांप्रदायिक दंगे भड़काने,राजनैतिक लाभ उठाने जैसे विषवमन से फायदा पहुँच रहा हो तो सत्ता न केवल ऐसे तत्वों,संस्थाओं व संस्थानों की इस तरह की नकारात्मक गतिविधियों की तरफ से अपनी आँखें मूंद लेती है बल्कि उन्हें संरक्षण भी देती है। और सत्ता की शह पाकर श्अभिव्यक्ति की स्वतंत्रताश् की आड़ में अनेक लोग,संस्थाएं व संस्थान नकारात्मकता व विवादों की सीढ़ियां चढ़कर शोहरत की बुलंदियाँ छूने लगते हैं। इस समय हमारे देश में तमाम लोगों को नकारात्मकता व विवादों की सीढ़ियां चढ़कर शोहरत की बुलंदियाँ छूने का जबरदस्त चस्का भी लग चुका है। यह श्बदनाम अगर होंगे तो क्या नाम न होगाश् वाली कहावत को चरितार्थ कर रहे हैं। हमारे देश में मुसलमानों के विरुद्ध सुनियोजित अभियान चलने का जो सिलसिला गुप् चुप तरीके से चला करता था इन दिनों उसे न केवल पूरी मान्यता व सत्ता संरक्षण मिला हुआ है बल्कि ऐसे विषयों को प्राथमिकता के साथ प्रचारित-प्रसारित किया जा रहा है। पत्रकारिता अपने वास्तविक मकसद तथा उद्देश्यों से भटककर सत्ता के दरवाजे पर षाष्टांग दंडवत करती दिखाई दे रही है। मुख्य धारा के अनेक टी वी चौनल खुल कर देश में सांप्रदायिक उन्माद फैला रहे हैं। जहरीले भाषण,भावनाएं भड़काने वाली बहसें तथा इसी तरह के भड़काऊ कार्यक्रम इसी लिए पेश किये जाते हैं ताकि समाज धर्म के आधार पर विभाजित हो,जनता कोई भी फैसला भावनाओं में बह कर करे तथा सबसे महत्वपूर्ण यह कि इसी उन्माद की शिकार जनता सत्ता से रोटी,कपड़ा,मकान रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ व भुखमरी जैसे विषयों पर सवाल पूछना बंद कर दे। पिछले दिनों ऐसे ही एक पूर्वाग्रही टी वी चौनल ने 28 अगस्त की रात 8 बजे से नौकरशाही में मुसलमानों की घुसपैठ नामक आपत्तिजनक शीर्षक से एक ऐसा कार्यक्रम प्रसारित करने की घोषणा की जिससे देश का बुद्धिजीवी वर्ग सन्न रह गया। दिल्ली उच्च न्यायलय ने हालांकि 28 अगस्त को ही सुबह इस कार्यक्रम के प्रसारण पर रोक लगा दी। परन्तु इन दो दिनों के प्रचार में ही इस चौनल व इसके स्वामी को उससे भी अधिक प्रचार मिल गया जिसकी वह उम्मीद कर रहा होगा। इस चौनल के बारे में एक बात बताता चलूँ कि मेरी जानकारी में इसके अनेक पत्रकार बिना किसी तनख्वाह के काम करते हैं। उनके पास पत्रकारिता का ज्ञान,डिग्री,डिप्लोमा है या नहीं,वे पढ़े लिखे हैं भी या नहीं यह जानने की कोई जरुरत नहीं होती बल्कि उनके पास टी वी कैमरा और वाहन होना ही उनकी सबसे बड़ी योग्यता होती है। इस चौनल से जुड़े एक ऐसे पत्रकार को मैं भी जानता हूँ जो अनपढ़ होने के अलावा अव्वल दर्जे का ब्लैक मेलर भी है। वह अपने इसी बदनाम टी वी चौनल का माइक दिखा कर अनेक लोगों से पैसे वसूलता रहता था। कस्बे के शरीफ लोगों से लेकर सट्टे वालों तक से वसूली करता था। और आज वही टी वी पत्रकार कत्ल के इलजाम में सजायाफ्ता मुजरिम के रूप में जेल की सलाखों के पीछे है। वैसे भी यह टी वी चौनल अफवाह फैलाने,झूठी खबरें प्रसारित करने तथा हिंसा भड़काने जैसे कई मामलों में कुख्यात रहा है तथा इसपर पहले भी कई मुकद्दमे चल रहे हैं। यह देश और दुनिया का अकेला टी वी चौनल है जिसके पत्रकार हाथों में शस्त्र लेकर अपनी बहादुरी का परिचय देते हैं। केवल सांप्रदायिकता फैलाने वाले इस टी वी चौनल का संपादक अपनी कार्यालय की जिस फोटो को बार बार गर्व के साथ शेयर करता है उसकी पृष्ठ भूमि में छत्रपति शिवाजी महाराज आदम कद चित्र में नजर आते हैं। इसका अर्थ है कि वह शिवजी को अपना आदर्श पुरुष या प्रेरणा स्रोत मानता है। परन्तु यदि हकीकत में उसने शिवाजी के जीवन चरित्र के बारे में पढ़ा होता तो न तो वह सांप्रदायिक होता न ही अपने चौनल को समाज को धर्म के नाम पर विद्वेष फैलाने का माध्यम बनाता। आज अपने जिस चौनल के माध्यम से जिन मुसलमानों के सिविल सेवा में चयन को श्धुसपैठश् बता रहा था व उन्हें जिहादी जैसे शब्दों से नवाज रहा था उन्हीं मुसलमानों पर वीर शिवाजी सबसे अधिक विश्वास करते थे। शिवाजी के जासूस मुसलमान थे। उनके कई प्रमुख सेनापति मुसलमान थे। उनके सलाहकार व गुप्त दस्तावेज देखने वाले व उनका जवाब तैयार करने वाले सभी मुसलमान थे। यहाँ तक कि शिवाजी मुस्लिम संत फकीरों के प्रति सच्ची व गहरी श्रद्धा रखते थे। परन्तु इस चौनल के स्वामी व संपादक ने या तो शिवाजी को पढ़ा नहीं या जान बूझकर अपने आकाओं को खुश करने व विवादों में घिरकर शोहरत की बुलंदियाँ हासिल करने की फिराक में उन मुसलमानों को संदिग्ध बनाने व बताने का 24ग7 प्रयास करता रहता है जिन्होंने न केवल अपने देश की आजादी में अपना बहुमूल्य योगदान दिया बल्कि आजादी से लेकर अब तक देश को आत्मनिर्भर व सुरक्षित बनाने में भी अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई है। यह हमारे देश व देशवासियों का दुर्भाग्य है की आज समाज में इस तरह के नाकारे,सांप्रदायिक व शुद्ध व्यावसायिक प्रवृति के लोग मीडिया,राजनीति तथा अन्य कई क्षेत्रों में प्रवेश कर चुके हैं जिन्हें अपनी संस्था व संस्थान की नैतिक जिम्मेदारियों की कतई परवाह नहीं है। दरअसल इन्हें नकारात्मकता व विवादों की सीढ़ियां चढ़कर शोहरत की बुलंदियाँ छूने का चस्का लग चुका है जो देश की एकता व अखंडता तथा सामाजिक व सांप्रदायिक सद्भाव के लिए बेहद घातक है। ऐसे टी वी चौनल्स को प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।

सार समाचार .....

अब विराट कोहली का भारत में टेस्ट लेना चाहते हैं जेम्स एंडरसन

लंदन **एजेंसी।** इंग्लैंड के रेकॉर्डधारी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन बेहतरीन बल्लेबाजों को आउट करने की चुनौती पसंद करते हैं। अगले साल जब उनकी टीम भारत के दौरे पर जाएगी तो वह विराट कोहली के खिलाफ मुश्किल चुनौती के लिए अच्छी तरह तैयार हैं। पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान 600 विकेट चटकाकर सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले तेज गेंदबाज बने एंडरसन और कोहली के बीच वर्षों तक दिलचस्प मुकाबला देखने को मिला है। एंडरसन ने टेस्ट मैच स्पेशल पोडकास्ट पर कहा, उस स्तर के बल्लेबाज को गेंदबाजी करना हमेशा मुश्किल होता है। यह काफी कड़ा मुकाबला होगा लेकिन मुझे इसमें आनंद आता है। आप सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को आउट करना चाहते हो। जब भारत ने 2014 में इंग्लैंड का दौरा किया था और एंडरसन ने 4 मौकों पर कोहली को आउट किया था। भारतीय कप्तान तब अपनी 10 पारियों में केवल 134 रन ही बना सका था। लेकिन 2018 में कोहली बिलकुल अलग बल्लेबाज के तौर पर इंग्लैंड पहुंचे और वह इस दौरे पर 593 रन बनाकर शीर्ष रन-स्कोरर रहे, जिसमें 2 शतक और 3 अर्धशतक शामिल थे। 38 साल के एंडरसन ने कहा, 2014 में मुझे कुछ सफलता मिली थी और फिर वह 2018 में पूरी तरह से अलग दिखा और उसने शानदार प्रदर्शन किया। यह पूछने पर कि 2018 में उन्होंने कोहली की बल्लेबाजी में क्या बदलाव देखे तो एंडरसन ने कहा, वह 2018 में गेंद को अच्छी तरह छोड़ रहा था। 2014 में जब मैं आउट स्विंगर फेंकता था तो वह इन पर शॉट लगाने का प्रयास करता और बल्ले का किनारा लगाकर आउट हो जाता। लेकिन 2018 में वह संयम से खेल रहा था।

मलखंभ द्रोणाचार्य योगेश को 10 लाख देगी मध्य प्रदेश सरकार

भोपाल एजेंसी। मध्यप्रदेश सरकार द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित हुए मलखंभ कोच योगेश मालवीय को 10 लाख रुपये देगी। योगेश को शनिवार को भारत सरकार की तरफ से द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि मलखंभ खेल को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य में मलखंभ खेल अकादमी बनाने का निर्णय लिया है और योगेश मालवीय की सेवाएं मलखंभ प्रशिक्षक के रुप में ली जायेंगी।

चौहान ने ट्वीट के माध्यम से कहा, अब योगेश का जीवन उनके लिए नहीं, मलखंभ के लिए है और इसमें उन्हें कोई परेशानी न आये, इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार हरसंभव प्रयास करेगी। इस श्रेष्ठतम उपलब्धि के लिए इन्हें मध्य प्रदेश सरकार की ओर से 10 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जायेगा। मलखंभ मूलरूप से मध्यप्रदेश का खेल है। हमने इस खेल को प्रोत्साहन देने के लिए मलखंभ खेल अकादमी बनाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा, उस अकादमी में मालवीय की सेवाएं मलखंभ प्रशिक्षक के रूप में ली जायेंगी। वह मलखंभ के और होनहार खिलाड़ियों को तैयार कर सकें, इसके लिए सरकार हरसंभव सहयोग करेगी।

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच ने जीता वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन

भोपाल एजेंसी। न्यूयार्क-विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने 2020 में अपना अपराजेय क्रम बरकरार रखते हुए कनाडा के मिलोस राओनिक को शनिवार को तीन सेटों में 1-6, 6-3, 6-4 से हराकर वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस खिताब जीत लिया। जोकोविच ने पहला सेट गंवाने की खराब शुरुआत से उबरते हुए अगले दो सेट आसानी से जीतकर खिताब अपने नाम किया और सोमवार से शुरू होने वाले वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन के लिए अपने मजबूत दावेदारी का संकेत दे दिया। 17 बार के ग्रैंड स्लेम विजेता ने राओनिक की शक्तिशाली सर्विस पर काबू पाते हुए कोरोना से प्रभावित 2020 में अपने अपराजेय क्रम को 23-0 पहुंचा दिया। उनका यह 80वां करियर खिताब है और इसके साथ ही उन्होंने स्पेन के राफेल नडाल के 35 मास्टर्स 1000 खिताब जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। पूरे टूर्नामेंट में अपनी गर्दन की चोट से परेशान रहे जोकोविच को पहले सेट में संघर्ष करना पड़ा और इस सेट में उन्होंने चार डबल फाल्ट किये। राओनिक ने जोकोविच की गलतियों का फायदा उठाते हुए पहला सेट 30 मिनट में जीत लिया। 33 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने फिर शानदार वापसी करते हुए शक्तिशाली फोरहैंड शॉट्स खेलते हुए राओनिक की सर्विस पर काबू पा लिया। उन्होंने निर्णायक सेट में लगातार चार गेम जीते। जोकोविच के दमदार प्रदर्शन का राओनिक के पास अब कोई जवाब नहीं था।

फेडरर-नडाल ने खिलाड़ियों के लिए जोकोविच के प्रस्ताव पर सवाल उठाया

न्यूयॉर्क | एजेंसी।

रोजर फेडरर, राफेल नडाल और एटीपी खिलाड़ी परिषद के सदस्यों ने नोवाक जोकोविच और वासेक पोस्पिसिल के पेशेवर टेनिस खिलाड़ियों के प्रतिनिधित्व के लिए नए समूह के गठन के प्रस्ताव पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे खेल में राजनीति को बढ़ावा मिलेगा। एटीपी पुरुष टूर, डब्ल्यूटीए महिला टूर और चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के अलावा खेल का संचालन करने वाली अन्य इकाईयों ने भी इस प्रस्ताव के खिलाफ आवाज उठाई है।

उन्होंने शनिवार को संयुक्त रूप से बयान जारी कर कहा, यह अधिक से अधिक सहयोग का समय है, विभाजन का नहीं। उन्होंने इसके साथ लिखा, हम व्यावसायिक टेनिस खिलाड़ी संघ (पीटीपीए) की शुरूआत की घोषणा करने के लिए उत्साहित हैं। इससे पहले खिलाड़ियों को भेजे ईमेल में बताया गया था कि विश्व नंबर एक नोवाक जोकोविच और शीर्ष 30 में शामिल रहे, पोस्पिसिल पेशेवर टेनिस खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए बन रहे नये समूह में सह-अध्यक्ष होंगे। इसमें कहा गया था इसका संचालन नौ ट्रस्टी करेंगे जिसमें सभी खिलाड़ी शामिल होंगे। जोकोविच ने शनिवार को वेस्टर्न एवं सदर्न ओपन जीतने के बाद कहा, हम बहिष्कार (किसी संघ या समूह) का आह्वान नहीं कर रहे हैं। हम समानांतर टूर की योजना नहीं बना रहे हैं। बेशक मैं चाहूंगा कि रोजर (फेडरर) और राफा (नडाल) इसके बोर्ड में शामिल हो निश्चित रूप से मैं सभी खिलाड़ियों को बोर्ड में रखना पसंद करूंगा। लेकिन मैं समझता हूं कि उनके विचार अलग हो सकते है। फेडरर और नडाल ने खिलाड़ी परिषद के प्रतिनिधि केविन एंडरसन, जर्गन मेल्जर, सैम क्वेरे और ब्रूनो सोरेस के उस प्रस्ताव का समर्थन किया जिसमें नये समूह में शामिल नहीं होने का सुझाव दिया गया था। नडाल ने ट्वीट किया, दुनिया एक कठिन और जटिल दौर से गुजर रही है। मेरा व्यक्तिगत रूप से मानना है कि यह समय संयमित होकर हम सभी को एक ही दिशा में एक साथ काम करने का है। यह किसी से एकजुटता या अलगाव दिखाने का समय नहीं है। फेडरर ने नडाल का समर्थन करते हुए ट्वीट किया, यह अनिश्चित और चुनौतीपूर्ण समय है लेकिन मेरा मानना है कि हमारे लिए खिलाड़ियों के रूप में एकजुट होना महत्वपूर्ण है।

क्या 24वें ग्रैंड स्लैम का सपना पूरा कर पाएंगी सेरेना विलियम्स?

न्यूयॉर्क एजेंसी। अमेरिका की लीजेंड टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स के 24वें ग्रैंड स्लैम जीतने का सपना पूरा होने के रास्ते की बाधा उनकी खराब फॉर्म बन सकती हैं, हालांकि इस बार कोरोना के चलते कुछ शीर्ष खिलाड़ियों ने सोमवार (31 अगस्त) से होने वाले वर्ष के अंतिम ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। सेरेना यूएस ओपन के अभ्यास टूर्नामेंट वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन के दौरान यूनानी खिलाड़ी मारिया सकारी से हार गईं हैं, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। कोरोना के बीच टेनिस के पांच महीने के बाद लौटने पर सेरेना को उन मैचों में संघर्ष करना पड़ा है जो तीन सेटों तक खिंचे हैं। इन मैचों में सेरेना का 3-2 का रिकॉर्ड रहा है।

सेरेना ने कहा, जिस तरह से मैं खेल रही हूं उस तरह से खेलना और सकारात्मक बने रहना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा, एक सप्ताह में नौ घंटे खेलना बहुत अधिक है। मैं आमतौर पर ऐसे नहीं खेलती। यह सब मेरे लिए बिल्कुल नया है। सेरेना वेस्टर्न एंड सदर्न टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में 13वीं सीड मारिया से हार गईं थीं जबकि उससे पहले टॉप सीड ओपन में उन्हें 116वें नंबर की खिलाड़ी शेल्बी रोजर्स से क्वॉर्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। सेरेना ने कहा, मुझे नहीं लगता कि उस समय मानसिक रूप से मदद मिलती है जब आपको पता होता है कि मैच खत्म हो गया है और आप मैच जीत गये हैं। आपके पैर पहले से थके होते हैं और अब वे अधिक थक गए होते हैं। उन्होंने कहा, मैंने खुद को खराब स्थिति में डाला है। यह एक ऐसे इंसान को डेट करने के जैसा है जिसके बारे में आप जानते हैं कि वह अच्छा नहीं है। ऐसे लग रहा है जैसे मुझे इस इंसान से छुटकारा पाना है। इसका कोई मतलब नहीं है। यह परेशान करने वाली चीज है। यूएस ओपन 31 अगस्त से 13 सितंबर तक होगा और कोरोना वायरस महामारी के कारण विश्व के बहुत से शीर्ष खिलाड़ी टूर्नामेंट के लिए न्यूयॉर्क नहीं आना चाहते हैं जिससे सेरेना को फायदा मिल सकता है और एक बार फिर ग्रैंड स्लेम विजेता बनने का उनका सपना पूरा हो सकता है।

अपने रूम में ही वर्कआउट की आंधी उड़ा रहे हैं ऋषभ पंत

नई दिल्ली , एजेंसी। आईपीएल शुरू होने में अब कुछ ही दिन बाकी हैं और इस लीग की आठों फ्रैंचाइजियों ने यूएई में डेरा डाल दिया है। खिलाड़ी यहां प्रैक्टिस से पहले 6 दिन के लिए होटल के अपने-अपने रूम में क्वारंटीन हैं। ऐसे में टीम इंडिया और दिल्ली कैपिटल्स के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपने रूम को ही अपना जिम एरिया बना दिया है। पंत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। पंत होटल के अपने रूम में इंटेन्स वर्कआउट करते दिख रहे हैं। उनके पास रूम में डंबल या बारबेल रॉड तो नहीं है लेकिन उन्होंने अपने स्ट्रैचिंग और रिवर्स पुशअप्स और शीर्षासन करके खुद को रूम में फिट रखने का काम कर रहे हैं। पंत ने यहां 45 सेकंड का एक वीडियो ट्विटर पर पोस्ट किया है। इस वीडियो में वह यह इंटेन्स वर्कआउट करते दिख रहे हैं। कोविड- 19 से बचाव के लिए बीसीसीआई और सरकार ने एक खास हेल्थ प्रोटोकॉल बनाया है, जिसके तहत यहां सभी खिलाड़ी और सपॉर्टिंग स्टाफ को शुरुआती 6 दिन क्वारंटीन में बिताना हैं। कई टीमों का क्वारंटीन पीरियड खत्म हो गया है। ऐसे में उन टीमों ने मैदान पर अभ्यास शुरू कर दिया है। लेकिन दिल्ली कैपिटल्स की टीम यहां सबसे बाद में पहुंची थी और उसके खिलाड़ी अभी क्वॉरंटीन में ही हैं।

भारतीय गेंदबाज ने यूट्यूब पर खोला था राज

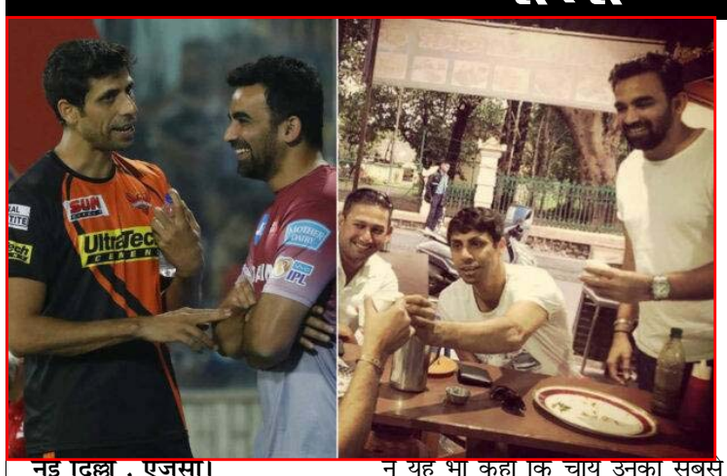

नई दिल्ली , एजेंसी।

पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने 2017 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने की क्षमता में माहिर नेहरा ने अपने जीवन में अब तक 12 ऑपरेशन करवाए हैं। वे कहते भी है कि जीभ को छोड़कर उनकी पूरी बॉडी की सर्जरी हो चुकी है। नेहरा ने एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें नाचना नहीं आता है। इसके लिए उन्हें दो बोतल वोदक चाहिए होता है। नेहरा ने यह भी कहा कि चाय उनकी सबसे बड़ी कमजोरी है। इसके बिना उनके शरीर का इंजन नहीं चलता है। स्पोर्ट्स एंकर गौरव कपूर ने तीन साल पर यूट्यूबर चैनल 'ऑकट्री स्पोर्ट्स' पर नेहरा के इंटरव्यू का वीडियो पोस्ट किया था। उसमें नेहरा ने अपनी शादी की कहानी बताई। नेहरा ने कहा कि 7 दिनों के अंदर उनकी शादी हो गई थी। उन्होंने कहा, ''हम वर्ल्ड कप 2 अप्रैल को जीते थे। उस दिन मेरी शादी के दो साल हो गए थे। मैंने 1 अप्रैल को इसलिए शादी नहीं कि क्योंकि लोग बोलेंगे कि अप्रैल फूल बना रहा है। मेरी शादी 7 दिन में हो गई थी। मैंने जब शादी के लिए प्रोपोज किया तो वो हैरान हो गई थी। उसने कहा एक साल 7 महीने बाद हम शादी करेंगे। मैंने कहा 1 साल 7 महीने नहीं 7 दिन में करेंगे। एक अप्रैल को। सबने वहां पर रखे अल्कोहल में से दो-दो शॉट लगाए।''नेहरा ने कहा, ''अगले दिन 24 मार्च को मैंने शादी की बात फिर से की ताकि उसे (रुश्मा नेहरा) को नहीं लगे कि मैं मजाक कर रहा हूं। 26 को वो अपनी मां के साथ आई। सबकुछ फाइनल हुआ।

28 और 29 को सारे रिश्तेदार आए। उसने 30 को होटल में कार्यक्रम किया और 2 अप्रैल 2009 को हमने शादी कर ली। नाचना मुझे आता नहीं, उसके लिए दो वोदका लगेंगे। सांसू मां मेरी खूब सेवा करती है। गुजराती घर है उनका। ब्रेकफास्ट में लंच और लंच में शाम के नाश्ते के बारे में बात होती है। उनका घर वेजिटेरियन है। मैंने उसे खराब कर दिया। मैं और मेरा बेटा चिकेन बना लेते हैं।''

मुंबई इंडियंस के नाम दर्ज है यह अनोखी जीत

मौजूदा समय में मुंबई इंडियंस का नाम आईपीएल इतिहास में टॉप पर है क्योंकि आईपीएल के खिताब को सबसे ज्यादा बार अगर किसी ने जीता है, तो वह सिर्फ और सिर्फ मुंबई इंडियंस है.

दिल्ली | एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) का खिताब सबसे अधिक 4 बार जीतने वाली आईपीएल फ्रेंचाइजी टीम मुंबई इंडियंस आईपीएल की सबसे सफल टीम है. मुंबई इंडियंस ने आईपीएल में कई बार मुश्किल हालातों से निकल कर ट्रॉफी को कब्जाया है. आज हम मुंबई इंडियंस की एक ऐसी अनोखी जीत के बारे में बात कर रहे हैं जो सिर्फ मंबई ही कर पाई है. पिछले 12 सालों से इस टीम का यह रिकॉर्ड आईपीएल इतिहास में अब भी कायम है. आईपीएल के पहले संस्करण में मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच 38वां मुकाबला खेला गया. इस मैच में मुंबई के कप्तान और भारत पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया. सचिन के इस निर्णय को मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों ने सही साबित किया. केकेआर की पूरी टीम महज 67 रनों पर ऑल आउट हो गई ऐसे में कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से मिले 68 रनों के मामूली से लक्ष्य को मुंबई इंडियंस ने श्रीलंका के बाएं हाथ के पूर्व खब्बू बल्लेबाज सनथ जयसूर्या की 17 बॉल में नाबाद 48 रनों की आतिशी पारी के दम पर मात्र 5.3 ओवर यानी पावरप्ले में 68-2 का स्कोर बनाकर हासिल कर लिया. आईपीएल इतिहास में मुंबई इंडियंस ने इस मैच में सबसे अधिक 87 गेंद शेष रहते हुए यह जीत दर्ज की. आईपीएल के 12 साल में अब तक कोई भी आईपीएल फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस के इस रिकॉर्ड को नहीं तोड़ पाई है. साथ ही यह मैच आईपीएल इतिहास का जल्दी खत्म होने वाला सबसे छोटा मुकाबला है. मौजूदा समय में मुंबई इंडियंस का नाम आईपीएल इतिहास में टॉप पर है क्योंकि आईपीएल के खिताब को सबसे ज्यादा बार अगर किसी ने जीता है, तो वह सिर्फ और सिर्फ मुंबई इंडियंस है. मुंबई इंडियंस ने आईपीएल इतिहास में साल 2013 में पहली बार आईपीएल चैंपियन बनने का कीर्तिमान हासिल किया था. उसके बाद टीम ने साल 2015 से लेकर 2019 के बीच में 3 बार आईपीएल ट्रॉफी उठाई है. जिनमें साल 2015, 2017 और 2019 शामिल हैं।

चोट के डर से मां ने छुड़ाई थी मार्शल आर्ट्स फिर देश को मिली गोल्डन गर्ल मनु भाकर

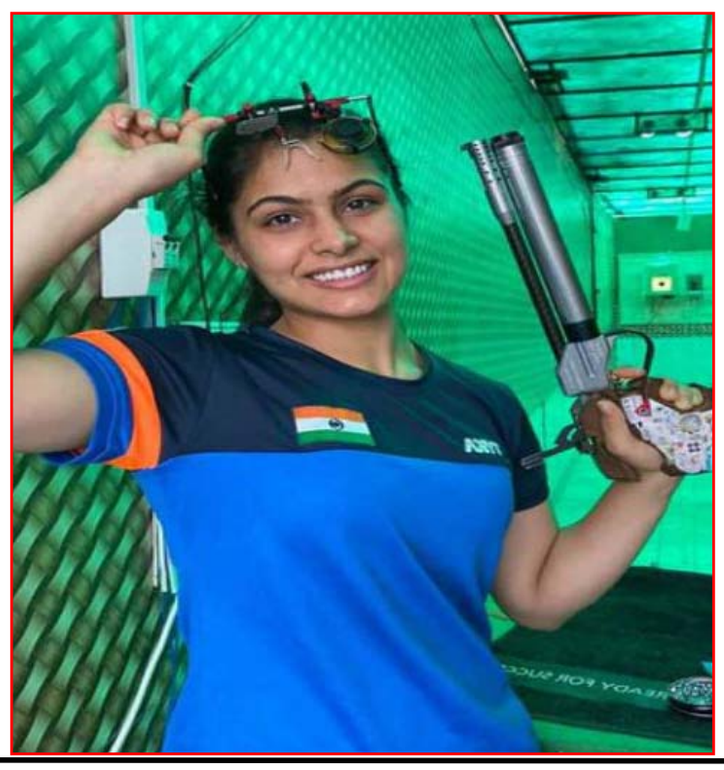

नई दिल्ली | एजेंसी।

किसी एक खेल का नुकसान दूसरे खेल के लिए फायदा बनने के कई उदाहरण आपने देखे होंगे. महेंद्र सिंह धोनी की फुटबॉल छुड़ाकर कोच ने क्रिकेटर नहीं बनाया होता या युवराज सिंह की स्केटिंग छुड़ाकर पापा योगराज सिंह ने क्रिकेट का बल्ला नहीं थमाया होता तो भारतीय क्रिकेट को ये दो दिग्गज क्रिकेटर नहीं मिले होते. कुछ ऐसी ही कहानी युवा निशानेबाज मनु भाकर की भी है. बचपन में मार्शल आर्ट में अपने जौहर दिखाने वाली मनु को एक बार चोट क्या लगी कि मां ने वो खेल ही छुड़वा दिया. फिर मनु के हाथ में आई पिस्टल और देश को मिल गई वो ÷गोल्डन गर्ल÷ जो निशानेबाजी के लिए रेंज में उतरने के बाद पदक लेकर ही वापस लौटती है. हरियाणा को कन्या भ्रूण के मामले में बेहद पिछड़ा राज्य माना जाता है, लेकिन ये भी सच है कि उसी राज्य से सबसे ज्यादा महिला खिलाड़ी देश का नाम रोशन करती हैं. इनमें से एक मनु भाकर है. मनु का जन्म 18 फरवरी, 2002 को झज्जर जिले के गोरिया गांव में हुआ था. मनु के पिता रामकिशन भाकर मैरीन इंजीनियर हैं तो उनके दादा राजकरण भारतीय सेना में थे और 1962 में चीन के खिलाफ तथा 1965 व 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई में हिस्सेदारी कर चुके थे. मनु बचपन से ही खेलों में तेजतर्रार थी. 14 साल की उम्र तक ही मनु ने मणिपुरी मार्शल आर्ट, बॉक्सिंग और स्केटिंग में कई राष्ट्रीय स्तर की स्कूल प्रतियोगिताओं में मेडल जीता था. वो अपना करियर मार्शल आर्ट में बनाना चाहती थी. मार्शल आर्ट का अभ्यास करने के दौरान एक दिन मनु को चोट लगी और उनकी मां सुमेधा ने वे सभी खेल छुड़वा दिए, जिनमें चोट लगने का डर होता है. तब मनु ने निशानेबाजी रेंज का रुख किया।

बी.सी.सी. ने किया ऐलान

नयी दिल्ली , एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग संचालन परिषद ने ऑनलाइन एजुकेशन प्लेटफॉर्म अनएकेडमी को आईपीएल 2020 का पार्टनर बनाए जाने का शनिवार को ऐलान किया. आईपीएल के 13वें सीजन की शुरुआत 19 सितंबर से यूएई में होगी. बीसीसीआई ने कहा कि अनअकेडमी तीन सीजन तक आईपीएल का साझेदार बना रहेगा। आईपीएल चेयरमैन बृजेश पटेल ने कहा, %हम अनएकेडमी को 2020 से 2022 तक आईपीएल के ऑफिशियल पार्टनर के रूप में चुनकर काफी खुश हैं. आईपीएल भारत में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली क्रिकेट लीग है और हमारा मानना है कि भारतीय एजुकेशन कंपनी के नाते अनएकेडमी दर्शकों की आकांक्षाओं पर काफी पॉजिटिव असर डाल सकती है. खासतौर पर वे लाखों युवा जो अपना करियर संवारने में लगे हैं. अनएकेडमी ने एक बयान में कहा, हम इस पार्टनरशिप से काफी खुश हैं. अनअकेडमी में बड़ा ब्रांड है और इसने भारत में एजुकेशन और लर्निंग में अपने इनोवेशन की मदद से तमाम सीमाएं तोड़ दी हैं।

मारूआना को ड्रग्स बताने वालों पर भड़कीं ऋचा चड्ढा, बताए भांग और गांजे के फायदे

सुशांत सिंह राजपूत मामले में ड्रग चौट्स सामने आने के बाद मामले में नया ट्विस्ट आ गया है। रिया चक्रवर्ती ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि सुशांत मारूआना लेते थे। वायरल चौट्स में कुछ और ड्रग्स के नाम सामने आए हैं। वहीं सुशांत के साथ काम करने वाले उनके असिस्टेंट कह चुके हैं कि वह अपनी हेल्थ को लेकर काफी सजग थे और रिया के आने के पहले तक ड्रग्स नहीं ली। अब ऋचा चड्ढा ने एक ट्वीट के जरिए मारूआना के फायदे बताए हैं। ऋचा चड्ढा ने ट्वीट किया है, जिस वक्त पूरी दुनिया मारूआना (गांजा) के औषधीय फायदे जान रही है तब हम इसे ड्रग्स बता रहे हैं। कृपया थोड़ी रिसर्च करें, सोम के इस उपहार की बेइज्जती करना बंद करें। जिन्हें कुछ पता नहीं उन्हें हमारे हेरिटेज या विश्वास का अपमान करने का कोई अधिकार नहीं। वहीं दूसरे ट्वीट में उन्होंने कैनबिस (भांग) को भोलेनाथ का प्रसाद बताया है। उन्होंने लिखा है कि आयुर्वेद में 5 पवित्र पौधों में इसका उल्लेख है। भांग को भोलेनाथ का प्रसाद माना जाता है और शिवरात्रि और होली पर इसे लेना लीगल भी है। बता दें कि वायरल ड्रग चौट से ये भी दावा किया जा रहा है कि रिया सुशांत को कैनबिस ऑइल दे रही थीं। सुशांत केस में सीबीआई, ईडी जांच कर रहे हैं वहीं नारकोटिक्स ब्यूरो ने भी रिया चक्रवर्ती और उनके भाई के खिलाफकेस दर्ज किया है। एनसीबी की टीम मुंबई में है। जल्द रिया से पूछताछ हो सकती है।

वाणी को पसंद है 80 के दशक की फिल्में

बॉलीवुड अभिनेत्री वाणी कपूर 80 के दशक को पसंद करती है।वाणी कपूर 80 के दशक पर आधारित फिल्म 'बेल-बॉटम' में अक्षय कुमार के साथ काम करने जा रही है। वाणी ने बताया कि खुद को इस फिल्म के किरदार में ढालने के लिए उन्होंने किस तरह मेहनत की है। वाणी ने कहा, 80 के दशक के लुक और फील को लेकर मैं काफी एक्साइटेड हूं, और हम उस दौर के कुछ इंटरेस्टिंग लुक्स पर काम कर रहे हैं। मैं अपने नोट्स बना रही हूं, पुरानी फिल्में देख रही हूं, और थोड़ा रिसर्च भी कर रही हूं। हमने 80 के दशक की बातों अपने दिलो-दिमाग में उतारने की कोशिश की, और यह अनुभव काफी मज़ेदार रहा है। वाणी कपूर ने कहा, मुझे 80 का दशक वाकई सबसे कलरफुल, सुपर-कूल लगता है, और मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी की बात यह है कि हमारी फ़िल्म की कहानी भी उसी दौर पर आधारित है। मैंने अपनी ओर से भी काफी रिसर्च की, और सच कहूं तो उस ज़माने की हिंदी फ़िल्में देखकर, और उस दौर के रहन-सहन, स्टाइल और लाइफ़ के बारे में पढ़कर मुझे बड़ा मज़ा आया। इसके बाद, मैं स्क्रिप्ट और अपने किरदार को देखते हुए बाकी चीजों

ब्लैक पैंथर एक्टर चौडविक बोसमैन का आखिरी पोस्ट बना सबसे ज्यादा लाइक करने वाला ट्वीट बना

हॉलीवुड के सुपरस्टार चौडविक बोसमैन का कैंसर से 43 साल की उम्र में निधन हो गया। चौडविक बोसमैन ने अमेरिका के लॉस एंजलिस में अपने घर में अंतिम सांस ली। चौडविक बोसमैन के निधन के बाद दुनियाभर के फिल्मी कलाकार, फैंस और उनके को-स्टार सदमे और दुख में हैं। ट्विटर पर बोसमैन के निधन के बाद उनके परिवार की तरफसे आधिकारिक बयान जारी किया। यह ट्वीट सोशल मीडिया पर सबसे अधिक लाइक करने वाला अब तक का ट्वीट बन गया। चौडविक के परिवार ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए बयान पोस्ट किया। परिवार ने चौडविक के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से यह बयान पोस्ट किया। उसमें हंसते हुए एक तस्वीर चौडविक की पोस्ट की थी। दरअसल एक मिलियन से अधिक लाइक सिर्फएक घंटे के अंदर इस ट्वीट को मिल गए। ट्विटर के इतिहास का यह ट्वीट 24 घंटे से भी कम समय में सबसे अधिक लाइक करने वाला ट्वीट बना। 6.3 मिलियन यानी 63 लाख लोगों ने अभी तक इस ट्वीट को लाइक किया है। जबकि इसे री-ट्वीट 3 मिलियन से अधिक बार किया। इस बात की जानकारी ट्विटर के आधिकारिक हैंडल से दी और लिखा कि अबतक सबसे ज्यादा लाइक किया जाने वाला ट्वीट। किंग के सबसे सटीक श्रद्धांजलि। चौडविक ने फिल्म 'ब्लैक पैंथर' में किंग टि-चाला का किरदार निभाया था। पिछले 4 सालों से आंत के कैंसर से वह जूझ रहे थे। इस बीमारी का इलाज उनका चल रहा था। फिर वह अपनी यह जंग शुक्रवार को हार गए और निधन हो गया उनका। चौडविक ने अश्वेत नायकों के रियल लाइफ और फिक्शनल कैरेक्टर फिल्मों में निभाए हैं और दर्शकों को सभी किरदार उनके बेहद पसंद हैं। ब्लैक पैंथर और एवेंजर सीरीज की आखिरी दोनों बड़ी फिल्मों के साथ पिछले 4 सालों से कैंसर से जंग लड़ रहे चौडविक ने शूटिंग की थीं।

बहन मीतू सिंह और प्रियंका का बयान लेगी सीबीआई प्रियंका के पति को भी समन

सुशांत सिंह राजपूत के केस की जांच कर रही सीबीआई की टीम लगातार तीसरे दिन रिया चक्रवर्ती और शोविक चक्रवर्ती से पूछताछ करेगी। इसके अलावा सीबीआई की टीम सिद्धार्थ पिठानी और सैमुएल मिरांडा से भी पूछताछ जारी रख सकती है। पहले दिन रिया से 10 घंटे जबकि दूसरे दिन शनिवार को रिया से 7 घंटे तक पूछताछ चली थी। सुशांत सिंह राजपूत के केस में गौरव आर्या ईडी के सामने पूछताछ के लिए गोवा से मुंबई आ रहे हैं। गोवा एयरपोर्ट पर उन्होंने कहा कि इस केस से उनका कोई ताल्लुक नहीं है क्योंकि वह सुशांत से कभी मिले ही नहीं। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा है कि रिया चक्रवर्ती से उनकी मुलाकात 2017 में हुई थी।सुशांत केस में रिया चक्रवर्ती के साथ ड्रग चौट में होटल व्यवसायी गौरव आर्या का नाम सामने आया था। गौरव का गोवा के अंजुना में टैमरिंड होटेल है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गौरव आर्या को 31 अगस्त से पहले पेश होने का समन जारी किया है। गौरव ने टाइम्स नाउ से बातचीत में कहा है कि उनका इस केस से कोई लेना-देना नहीं है। उनका नाम बेवजह घसीटा जा रहा है। गौरव के मुताबिक, वह सुशांत से कभी नहीं मिले थे। हालांकि, रिया से उनकी मुलाकात मुंबई में एक पार्टी में हुई थी।सुशातं सिंह राजपूत के केस में ड्रग्स का ऐंगल सामने आने के बाद मुंबई के कुछ ड्रग डीलरों की जांच हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, साउथ मुंबई के दो ड्रग्स डीलरों की जांच सीबीआई कर सकती है। माना जा रहा है कि इसके साथ ही बॉलिवुड में ड्रग्स के कनेक्शन की जांच की जा सकती है। इस मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने कुछ ड्रग पैडलर्स से पूछताछ भी की है।सुशांत सिंह राजपूत के केस में जांच कर रही सीबीआई की टीम अब बहनों मीतू सिंह और प्रियंका सिंह के बयान भी दर्ज करेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रियंका के पति सिद्धार्थ के भी बयान दर्ज कराए जाएंगे। अभी सीबीआई की टीम ने रिया के माता-पिता से पूछताछ नहीं की है। माना जा रहा है कि उनकी उम्र को देखते हुए टीम उनके घर जाकर पूछताछ करेगी। दरअसल रिया और उनकी टीम का कहना है कि सुशांत के साथ उनकी बहन मीतू रह रही थीं लेकिन उनसे अभी तक कोई पूछताछ नहीं हुई है। सुशांत सिंह राजपूत के केस में ड्रग्स का ऐंगल सामने आने के बाद इस मामले की जांच नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की यूनिट भी कर रही है। ऐसे में सीबीआई और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को एक साथ केस पर काम करना होगा। माना जा रहा है कि रविवार को सीबीआई की टीम नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम से मुलाकात कर इस केस पर चर्चा कर सकती है।सुशांत सिंह राजपूत के केस में रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शौविक से तीसरे दिन पूछताछ हो रही है। रविवार की पूछताछ के लिए रिया और शौविक डीआरडीओ गेस्ट हाउस पहुंच चुके हैं। इससे पहले शुक्रवार को रिया से 10 घंटे जबकि शनिवार को 7 घंटे पूछताछ हुई थी।सुशांत के हाउस मैनेजर सैमुएल मिरांडा सीबीआई की पूछताछ के लिए डीआरडीओ गेस्ट हाउस पहुंच गए हैं। शनिवार को भी मिरांडा से लंबी पूछताछ हुई थी। रविवार को पूछताछ के लिए सीबीआई ने रिया चक्रवर्ती और शौविक को भी बुलाया है।सुशांत सिंह राजपूत के केस की जांच कर रही सीबीआई की टीम एक बार फिर पूछताछ और जांच करने के लिए मुंबई के सांताक्रूज में स्थिति डीआरडीओ गेस्ट हाउस पहुंच चुकी है। जल्द ही रिया चक्रवर्ती और अन्य लोगों के भी वहां पहुंचने की उम्मीद है। सीबीआई की पूछताछ में सिद्धार्थ पिठानी ने दावा किया है कि सुशांत सिंह राजपूत ने खुद हार्ड डिस्क से उनके वीडियो और डेटा डिलीट करने को कहा था। इसके अलावा सिद्धार्थ ने सीबीआई टीम को यह भी बताया है कि रिया चक्रवर्ती अपनी शॉपिंग के लिए सुशांत के कार्ड का इस्तेमाल किया करती थीं।

क्या रिया चक्रवर्ती को आईपीएस नूपुर शर्मा ने सहयोग न करने पर मारा थप्पड़

दिवंगत बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत को अब ढाही महीने का समय बीत चुका है। हालांकि इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है और लगातार कई बड़े खुलासे भी इस केस में हो रहे हैं। इस केस में प्राइम सस्पेक्ट के तौर पर एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को देखा जा रहा है और सीबीआई ने शुक्रवार और शनिवार पूछताछ की। इसी बीच सोशल मीडिया पर रिया की इस पूछताछ को लेकर कई अफवाहें आ रही हैं। दरअसल ऐसा दावा सोशल मीडिया पर हो रहा है कि रिया को न सहयोग करने पर आईपीएस अधिकारी नूपुर शर्मा ने थप्पड़ मारा है। ट्विटर पर ऐसे ट्वीट कई लोग शेयर कर रहे हैं जिसमें यह दावा किया जा रहा है कि सीबीआई के साथ रिया चक्रवर्ती पूछताछ के दौरान सहयोग नहीं कर रहीं हैं। इसी के बाद आईपीएस अधिकारी नूपुर शर्मा ने नाराज होकर रिया को थप्पड़ जड़ दिया। इस बात की खुशी अफवाह उड़ाने वाले यूजर्स ने जताई। कुछ लोगों ने लिखा कि उनका दिल इस खबर ने खुश कर दिया। रिया चक्रवर्ती को थप्पड़ मारने का जो दावा सोशल मीडिया पर किया गया है वह झूठा है। ऐसा कोई दावा सीबीआई की तरफसे अभी तक नहीं हो पाया है और ऐसी बात रिया चक्रवर्ती की और से भी नहीं आई है। इस बात की अफवाह खुद ही सोशल मीडिया पर लोग उड़ाने में लगे हुए हैं। वैसे तो रिया से कड़ाई से पूछताछ सीबीआई की टीम कर रही है यह खबरें तो सच्ची हैं। सूत्रों के हवाले से आ रही खबरों के मुताबिक, सीबीआई को दो बातों में सुशांत सिंह की मौत के केस की मुख्य आरोपी रिया चक्रवर्ती ने उलझन में डाला हुआ है। इन बातों का जवाब एक्ट्रेस ने नहीं दिया है। एक्ट्रेस से सीबीएनए बीते शनिवार को भी पूछताछ की गयी जिसमें अधिकतर सवाल वही शुक्रवार वाले थे। मगर रिया के जवाबों से सीबीआई की जांच टीम संतुष्ट नहीं हो पा रही हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि जब सुशांत सिंह से किस बात को लेकर रिया से पूछताछ में यह अहम सवाल किया गया तो उसका जवाब एक्ट्रेस ठीक से नहीं दे पाई हैं। सूत्रों के मुताबिक वह गोलमोल इन सवालों को दे रहे हैं। जिससे सीबीआई बिलकुल संतुष्ट नहीं हो पा रही हैं और रविवार को भी सीबीआई ने रिया चक्रवर्ती को एक बार फिर पूछताछ के लिए बुलाया है।

सुशांत सिंह राजपूत ने जब अपने एक इंटरव्यू में कहा था-मुझे क्लॉस्ट्रोफोबिया है, सिर्फ2 घंटे सोता हूं

सुशांत सिंह राजपूत की कथित खुदखुशी केस में रोजाना बड़े खुलासे लगातार हो रहे हैं। इन हैरान करने खुलासों की वजह से इस मामले में रहस्य बढ़ता जा रहा है। सुशांत सिंह राजपूत की गर्लफ्रेंड और एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने एक निजी न्यूज चौनल को हाल ही में इंटरव्यू दिया था और उसमें कहा था कि सुशांत को क्लास्ट्रोफोबिया था और उन्हें फ्लाइट में डर लगता था। इसके बाद सोशल मीडिया पर सुशांत के जेट और प्लेन के कई वीडियोज वायरल होना शुरू हो गए जो रिया की बातों का खंडन कर रहे हैं। ऐसे में एक पुराना वीडियो सुशांत का वायरल हो रहा है जिसमें वह क्लास्ट्रोफोबिक अपने आपको बताते हुए दिखाई दे रहे हैं। इंटरव्यू में यह दावा रिया चक्रवर्ती ने किया था कि हमेशा फ्लाइट से पहले सुशांत एक दवा लेते थे। फिर इस बात को गलत बताते हुए सुशांत की एक्स-गर्लफ्रेंड अंकिता ने एक वीडियो साझा किया। इसी बीच साल 2015 का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सुशांत के एक इंटरव्यू का यह वीडियो है। सुशांत इस वीडियो में कहते नजर आ रहे हैं कि नींद न आने की बीमारी उनको है। महज 2 घंटे वह सो पाते हैं। सुशांत से वीडियो में कहा जाता है वह अपने बारे में 3 बातें बताएं उसमें से 2 सच और 1 झूठ बतानी है। इसका जवाब देते हुए सुशांत ने कहा कि वह एक दिन में 6 घंटे सोते हैं, दूसरा वह बहुत बुरा गाते हैं, तीसरा उन्हें क्लास्ट्रोफोबिया है। उसके बाद उन्होंने खुलासा करते हुए बताया कि 6 घंटे सोने वाली बात झूठ है। उन्हें इनसोम्निया है और वह बस 2 घंटे सो पाते हैं। सुशांत के फैन्स एक और स्क्रीनशॉट इस वीडियो के वायरल होने के बाद सामने लाए हैं। इस स्क्रीनशॉट के साथ सुशांत के फैंस यह दावा कर रहे हैं कि यह वीडियो उनका पुराना है। इस स्क्रीनशॉट के अनुसार, सुशांत ने कहा था कि, मैं एक ऐक्टर हूं, ज्यादातर लोगों से घिरा रहता हूं तो इससे खुद को परेशान नहीं होने दे सकता। हां, मुझे क्लास्ट्रोफोबिया था, लेकिन ये बहुत पहले की बात है, जब मैंने फिल्में जॉइन की थीं। मुझे बंद जगहों से डर लगता था कि जैसे मैं एलिवेटर में फंस जाऊंगा। तब एक दिन मैं बैठा और क्योंकि मैंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है तो मुझे थिअरी ऑफरिलेटिविटी और फिजिक्स के नियम पता हैं। मैंने अपने डर को लॉजिक रूप से देखने की कोशिश की और इससे उबर गया। फिल्में जॉइन करने के बाद से मुझे ऐसा नहीं फील हुआ।

रिया चक्रवर्ती के जवाब से सीबीआई संतुष्ट नहीं ? लगातार तीसरे दिन सवालों की बौछार जारी

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को आत्महत्या के लिए उकसाने की आरोपी रिया चक्रवर्ती से सीबीआई आज लगातार तीसरे दिन पूछताछ कर रही है. रिया चक्रवर्ती पूछताछ के लिए डीआरडीओ गेस्ट हाउस पहुंच चुकीं हैं. रिया के साथ उनके भाई शोविक चक्रवर्ती भी हैं. इससे पहले शनिवार को रिया चक्रवर्ती से सीबीआई ने सात घंटे पूछताछ की. आपको बता दें कि अभिनेता सुशांत की आत्महत्या के मामले की जांच कर रही सीबीआई की टीम डीआरडीओ के अतिथि गृह में ठहरी हुई है जहां चक्रवर्ती (28) को लेकर एक वाहन सुबह करीब साढे दस बजे पहुंचा. उनके साथ पुलिस के वाहन भी थे. बीती रात एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस की सुरक्षा में चक्रवर्ती रात साढ़े आठ बजे अतिथि गृह से रवाना हुई. इस दौरान उनके भाई शोविक चक्रवर्ती भी थे. अधिकारी ने बताया कि सीबीआई की टीम ने मुंबई पुलिस से चक्रवर्ती को सुरक्षा प्रदान करने को कहा. पुलिस उसी का पालन कर रही है. सीबीआई की टीम सुशांत के साथ फ्लैट में रहने वाले सिद्धार्थ पिठानी, रसोइया नीरज सिंह, घरेलू सहायक केशव, मैनेजर सैमुअल मिरांडा और अकाउंटेंट रजत मेवाती से शनिवार सुबह से ही पूछताछ कर रही है. जांच एजेंसी की टीम ने शुक्रवार को रिया चक्रवर्ती से 10 घंटे से भी ज्यादा देर तक पूछताछ की थी. इसके बाद अभिनेत्री पुलिस के सुरक्षा घेरे में अपने घर पहुंची थीं क्योंकि वहां बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी मौजूद थे. पूछताछ के दौरान सीबीआई ने यह जानने की कोशिश की कि आखिरकार रिया आठ जून को सुशांत का फ्लैट छोड़ कर क्यों गयीं, क्या है सुशांत केस में ड्रग्स का कनेक्शन, रिया 45 मिनट तक मॉचरी में क्या कर रही थीं, क्या सच में डिप्रेशन में थे सुशांत? रिया से सीबीआइ के दो अफसरों ने कई दौर के सवाल किये. रिया के जवाब से सीबीआइ संतुष्ट नहीं दिखी.सुशांत केस अब बॉलीवुड में भाई-भतीजावाद, रिया द्वारा मानसिक उत्पीड़न, अभिनेता के 15 करोड़ रुपये गबन करने से लेकर ड्रग्स रैकेट तक पहुंच चुका है. रिया केस में मुख्य संदिग्ध हैं. बार-बार बयान बदलने की वजह से रिया पर सीबीआइ का शिकंजा कसने लगा है. रिया ने दावा किया कि सुशांत की अपनी पूर्व गर्लफ्रेंड अंकिता लोखंडे से बातचीत हो रही थी. वहीं अंकिता ने साफ कहा है कि चार साल से उनके बीच कोई बातचीत नहीं हुई थी।

एक्स-गर्लफ्रेंड पूजा भट्ट से जुड़े आर्टिकल पर आया रणवीर शौरी को गुस्सा बोले-मुझे प्रताड़ित किया गया

रणवीर शौरी और पूजा भट्ट का रिलेशनशिप सुर्खियों में रहा है। इससे जुड़ा एक आर्टिकल वायरल हो रहा है। इस आर्टिकल पर रणवीर का रिऐक्शन आया है। उन्होंने ट्वीट किया है कि उन्हें कैसे सालों तक निशाना बनाया जाता रहा है। एक ट्विटर यूजर ने आर्टिकल ट्वीट किया है। यह पूजा भट्ट की लव लाइफ पर है। इसकी हेडिंग में जिक्र है कि पूजा रणवीर शौरी के साथ अब्यूजिव रिलेशनशिप में थीं। यूजर ने रणवीर शौरी को टैग करते हुए लिखा है कि इनका पीआर का स्टोरी कब खत्म होगा। रणवीर शौरी ने इस पर जवाब दिया है, इस तरह के आर्टिकल्स बदनाम करने वाले पीआर कैंपेन का नतीजा होते हैं, जिनसे ये फिल्म पर राज करने वाले मुझे सालों से टारगेट कर रहे हैं। मीडिया पुलिस और मीडिया के पुराने रेकॉर्ड्स भी चेक नहीं करती जिससे पता चलेगा कि मुझे इन लोगों ने प्रताड़ित क्या था। यूजर ने एक और ट्वीट किया है और बताया है कि कैसे मनीष मखीजा की तस्वीर को रणवीर शौरी की तस्वीर बताया गया है।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।